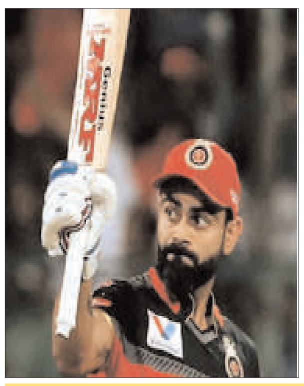

दैनिक शुभ भास्कर

उप्र व मप्र से प्रकाशित

हर कदम आपके साथ......

e-mail dailyshubhbhaskar@gmail.com

RNI. N. UPHIN/2015/64737

वर्ष - 13 अंक- 141 | झांसी 25/रविवार /अप्रेल/2021 | पृष्ठ -8 मुल्य -3 रूपये

संक्षेप में...

दिल्ली, मप्र और आंध्रप्रदेश के लिए चलेंगी ऑक्सीजन एक्सप्रेस

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सुनील शर्मा ने कहा कि दिल्ली, आंध्र प्रदेश और मध्यप्रदेश जैसे राज्यों ने रेल वैगन के माध्यम से चिकित्सकीय लिक्विड ऑक्सीजन का परिवहन करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने अभी हमें कुछ ह्यऑक्सीजन एक्सप्रेसह्न ट्रेनों के लिए आग्रह भेजा है। हम दिल्ली सरकार के साथ संपर्क में हैं और हमने उनसे कहा है कि अपने टैंकर तैयार रखें। उन्होंने कहा कि दिल्ली की ऑक्सीजन की मांग राउरकेला की ओर से पूरी किए जाने की संभावना है, जबकि आंध्र प्रदेश की मांग अंगुल, ओडिशा की ओर से पूरी किए जाने की संभावना है। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश के लिए ह्यप्राणवायुह्न ले जा रही ह्यऑक्सीजन एक्सप्रेसह्न 24 अप्रैल को लखनऊ पहुंचेगी। ह्यऑक्सीजन एक्सप्रेसह्न के प्रत्येक टैंकर में 16 टन ऑक्सीजन होती है।

पीएम मोदी वैक्सीन नीति को बदलें : सोनिया गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने टीकाकरण से जुड़ी नई नीति को लेकर चिंता जताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि वह इस नीति को बदलें और पूरे देश में टीकों की एक समान कीमत सुनिश्चित करें। उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर यह आरोप भी लगाया कि केंद्र सरकार ने 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के लोगों को मुफ्त टीका उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया है। सोनिया ने कहा कि यह हैरान करने वाली बात है कि पिछले साल के कड़वे अनुभवों और लोगों को हुई तकलीफ के बावजूद सरकार लगातार मनमानी और भेदभावपूर्ण नीति पर अमल कर रही है। उन्होंने दावा किया कि नई नीति के तहत सरकार 18 से 45 साल आयु वर्ग के लोगों को मुफ्त टीका उपलब्ध कराने की अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ चुकी है और यह युवाओं के प्रति उसका अपने उत्तरदायित्व से पूरी तरह पल्ला झाड़ना भी है।

लॉकडाउन से 11 फीसदी रहेगी विकास दर

नई दिल्ली । वैश्विक रेटिंग एजेंसी (एसएंडपी) ने कहा कि कई राज्यों में स्थानीय लॉकडाउन से भारतीय अर्थव्यवस्था पर जोखिम बढ़ेगा। इसके बावजूद 2021-22 में आर्थिक वृद्धि दर 11 फीसदी रहने का अनुमान है। एशिया-प्रशांत के वित्तीय संस्थानों पर रिपोर्ट में कहा गया है कि अर्थव्यवस्था को तेजी से दोबारा खोलने और वित्तीय प्रोत्साहनों की वजह से चालू वित्त वर्ष के दौरान आर्थिक वृद्धि दर 11 फीसदी रहेगी। उसके बाद अगले दो साल के दौरान यह क्रमशः 6.1 फीसदी और 6.4 फीसदी रहेगी। एजेंसी ने कहा कि महामारी एक बड़ा जोखिम है, जो हालिया सप्ताहों में तेजी से बढ़ा है। जोखिम को देखते हुए संक्रमण की दूसरी लहर पर काबू पाना अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। कुछ राज्यों ने लॉकडाउन लगा दिया है और कई राज्यों में इसे लागू किया है। लॉकडाउन की अवधि और दायरे के हिसाब से इनका अर्थव्यवस्था पर उल्लेखनीय प्रभाव पड़ेगा। 2020-21 में अर्थव्यवस्था में 8 फीसदी की गिरावट आई थी।

पतंजलि की तीन संस्थाओं में 86 कोरोना पॉजिटिव मिले, हड़कंप

हरिद्वार। कोरोना महामारी का प्रकोप पूरे देश में बड़े पैमाने पर फैल रहा है। उत्तराखंड में भी बड़ी संख्या में कोरोना पॉजिटिव मरीज मिल रहे हैं।अब हरिद्वार में योग गुरु बाबा रामदेव के 3 संस्थानों में बड़ी संख्या में कोरोना पॉजिटिव मिलने से पतंजलि के साथ ही प्रशासन में भी हड़कंप मच गया।10 अप्रैल से बाबा रामदेव के विभिन्न संस्थानों में 83 कोरोना संक्रमित मिल चुके हैं, जिसमें पतंजलि में 46, योगग्राम में 28 और अचार्यकलुम में अब तक 9 कोरोना मरीज मिले हैं। तीनो संस्थानों में जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा जांच टीम भेजी गई है। सीएमएचओ के अनुसार तीनों संस्थानों में कॉन्ट्रैक्ट ट्रेसिंग की जा रही है।

फोर्ब्स 30 अंडर 30 एशिया में रायपुर के प्रांजल और भोपाल के नमन

रायपुर। फोर्ब्स की 30 अंडर 30 एशिया 2021 लिस्ट में रायपुर के प्रांजल गोस्वामी को भी जगह मिली है। अवंति विहार में रहने वाले 28 साल के प्रांजल का नाम उनके साथी नमन अग्रवाल के साथ एंटरप्राइज टेक्नोलॉजी कैटेगरी में शामिल किया गया है। आईआईटी खडगपुर से केमिकल इंजीनियरिंग में बीटेक करने वाले प्रांजल ने 2017 में भोपाल में रहने वाले अपने दोस्त नमन के साथ बेंगलुरु में सुपरसेट नाम से जॉब प्लेसमेंट प्लेटफॉर्म शुरू किया था। इस स्टार्टअप से वे देश के काबिल युवाओं, ग्रेजुएट्स को देश-दुनिया की नामी कंपनियों, एम्प्लॉयर से कनेक्ट करवाते हैं। इस जोड़ी से अब तक 450 से ज्यादा यूनिवर्सिटी और 1800 से ज्यादा कंपनी, एम्प्लॉयर जुड़ चुके हैं। इसमें एचडीएफसी जैसी नामी कंपनियां शामिल हैं।

गुजरात में ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर नहीं होगी कार्रवाई

अहमदाबाद । गुजरात पुलिस अब दुपहिया व कार में सवार वाहन चालकों से यातायात नियमों के भंग करने पर किसी तरह का जुर्माना नहीं वसूलेगी। कोरोना महामारी को देखते हुए सरकार ने केवल मास्क नहीं पहनने पर जुमार्ना वसूलने की छूट दी है। मंत्रिसमूह की बैठक में राज्यमंत्री योगेश पटेल ने सरकार को बताया कि यातायात नियमों के उल्लंघन के चलते पुलिस बड़ी संख्या में वाहन चालकों से जुमार्ना वसूल रही है।

कंपनी का दावा- कोविड पर 91% असरदार है यह यह वैक्सीन

वीराफिन का एक डोज सात दिन में ठीक करेगा कोरोना, डीजीसीआई का अप्रूवल

■ नईदिल्ली

देश में कोरोना महामारी ने कोहराम मचा रखा है। देश में दवा से लेकर ऑक्सीजन तक की किल्लत हो रही है। इस बीच ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने कोरोना के इलाज के लिए एक और दवाई के आपात इस्तेमाल की मंजूरी दे दी है।

जायडस कैडिला की विराफिन दवा को कोविड-19 के इलाज के लिए आपात इजाजत दे दी गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक दवा कंपनी जायडस का दावा है कि विराफिन के इस्तेमाल के बाद सात दिन में 91.15 फीसदी कोरोना संक्रमितों का आरटी-पीसीआर टेस्ट निगेटिव आया है। इस एंटी वायरस दवा के इस्तेमाल से कोरोना मरीजों को राहत मिलती है और लडे की ताकत भी आती है।कंपनी के मुताबिक अगर कोरोना वायरस संक्रमित होने की शुरूआत में ही विराफिन दवा दी जाती है तो मरीजों को बीमारी से उबरने में काफी मदद मिलेगी और तकलीफ भी कम होगी। हालांकि इस दवा को अभी डॉक्टर की सलाह के बाद ही दिया जाएगा और दवा अस्पतालों में ही मिलेगी। कंपनी ने इस दवा का ट्रायल 25 केंद्रों पर किया था, जिसके नतीजे अच्छे रहे हैं।

शुरूआती तीसरे चरण के मानव परीक्षण में दवा से आशाजनक नतीजे मिले थे. अंतरिम नतीजों से संकेत मिला कि दवा को समय रहते देने पर मरीजों को जल्दी ठीक होने में मदद मिल सकती और बीमारी के विकसित चरणों में देखी गई जटिलता को टाल सकती है.भारत में एक स्वीकृत दवा है और कोविड-19 के इलाज के लिए फिर से तैयार की गई है. तीसरे चरण के मानव परीक्षण के शुरूआती नतीजों से पता चला कि दवा के इस्तेमाल से 7 दिन के अंदर कोविड-19 के 91.15 फीसदी मरीज ठीक हो गए और उनकी पॉजिटिव कोरोना की जांच रिपोर्ट आरटी पीसीआर टेस्ट में निगेटिव आई.कंपनी का दावा है कि सिंगल डोज दवा है. सिंगल डोज दवा होने से मरीजों के लिए इलाज कम बोझिल और ज्यादा किफायती होगा. कंपनी के मुताबिक, परीक्षण के दौरान दवा पर निर्भर मरीजों को ऑक्सीजन सपोर्ट की कम जरूरत भी पड़ी. ये स्पष्ट करता है कि दवा सांस की तकलीफ को काबू करने में सक्षम है जो कोविड-19 के इलाज में एक बड़ी चुनौती है।

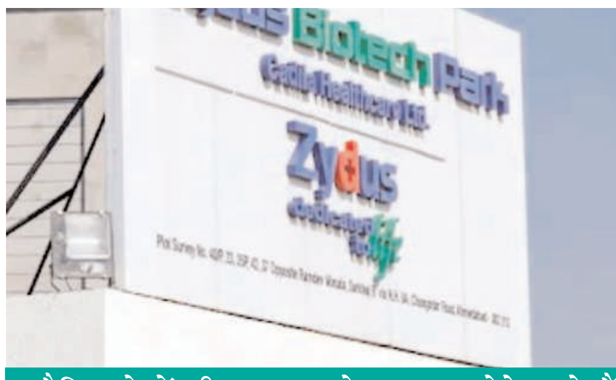

मैक्सिको में भी इस तरह के ट्रायल्स होने वाले हैं

कंपनी का दावा है कि इसी साल कोविड-139 के इलाज पर नेचर पब्लिकेशन में छपी एक स्टडी में भी इंटरफेरॉन ट्रीटमेंट को स्टेरॉइड्स के साथ देने पर सामने आए नतीजों की जानकारी दी थी। जायडस की दवा के नतीजे भी इसी स्टडी की पुष्टि करते हैं।कैडिला ने यह भी कहा कि कंपनी यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के साथ मिलकर काम कर रही है। अमेरिका में भी पेगिलेटेड इंटरफेरॉन अल्फा 2 के क्लीनिकल ट्रायल्स शुरू किए जाने हैं।

एंटी वेनम की तर्ज पर देश में ही बनेगी एंटी कोविड ड्रग, 3000 घोड़ों पर ट्रायल सफल

हैदराबाद। कोरोना से जंग के बीच एक अच्छी खबर आई है। जहर के असर को खत्म करने वाली तकनीक के आधार पर कोरोनावायरस को खत्म करने के लिए देश की पहली मान्यता प्राप्त दवा का ह्यूमन ट्रायल शुरू होने जा रहा है। देश के सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी ने जहर की दवा बनाने वाली कंपनी विन्स बायोटेक के साथ मिलकर कोरोना की दवा बनाई है। इसका घोड़ों पर ट्रायल सफल रहा है। उउटइ के डायरेक्टर डॉ. राकेश के मिश्रा ने बताया कि उन्होंने जीनोम सिक्वेंसिंग लैब में कोरोनावायरस बनाया और उसको कल्चर किया। वायरस कल्चर करने के बाद उस वायरस को डेड किया गया।

महाराष्ट्रः अस्पताल में आग लगने से 14 मरीजों की मौत

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने संवेदना व्यक्त की

- पीएम-सीएम ने किया मुआवजे का ऐलान
- यूपी के सीएम ने भी संवेदना जताई
- मुख्यमंत्री ठाकरे ने दिए जांच के आदेश

■ विरार

मुंबई से सटे पालघर जिले के विरार पश्चिम स्थित चार मंजिला विजय वल्लभ अस्पताल में शुक्रवार तड़के करीब तीन बजे शॉर्ट सर्किट से लगी आग से वहां भर्ती 14 मरीजों की झुलसकर मौत हो गई. मृतकों में पांच महिलाओं और आठ पुरुषों का समावेश है. आग अस्पताल के आईसीयू (गहन चिकित्सा इकाई) में लगी. मिली जानकारी के अनुसार विरार पश्चिम स्थित विजय वल्लभ अस्पताल में एसी में शॉर्ट सर्किट के चलते आग लगी. घटना के वक्त आईसीयू में 17 मरीज थ. चार मरीजों को बचा लिया गया और उन्हें इलाके के अन्य अस्पतालों में भर्ती करवाया गया है. बताया गया कि अस्पताल का आईसीयू सेंकड फ्लोर पर था. उधर अस्पताल में लगी आग पर काबू पाने के लिए वसई-विरार महानगर पालिका की 10 फायर ब्रिगेड पहुंची।

जबलपुर के गैलेक्सी हॉस्पिटल में ऑक्सीजन की कमी से 5 कोरोना पेशेंट्स की मौत मरीजों को तड़पता छोड़कर भाग गए डॉक्टर

जबलपुर। मध्यप्रदेश में ऑक्सीजन की कमी से मौतों का सिलसिला रुक नहीं रहा है। जबलपुर में 8 दिन में दूसरी बार ऐसी घटना हुई है। यहां के उखरी रोड पर स्थित गैलेक्सी अस्पताल में गुरुवार रात 5 कोविड मरीजों की ऑक्सीजन नहीं मिलने की वजह से मौत हो गई। इससे भी शर्मनाक बात ये है कि जब मरीज ऑक्सीजन सप्लाई बंद होने पर तड़प रहे थे तो ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर और स्टाफ अस्पताल छोड़कर भाग गए। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर आनन-फानन में मोर्चा संभाला। तुरंत कुछ सिलेंडर की व्यवस्था कराई गई, लेकिन दो मरीजों की हालत अब भी नाजुक बनी हुई है। इस पूरे घटना से गुस्साए परिजन ने जमकर हंगामा किया।गैलेक्सी हॉस्पिटल में कुल 65 कोविड संक्रमित भर्ती थे। इसमें 31 ऑक्सीजन पर थे ।

राज्यों से मोदी बोले- एक राष्ट्र बन काम करेंगे तो नहीं होगा संसाधनों का अभाव

■ नईदिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कोरोना के खिलाफ लड़ाई में राज्यों को पूरे सहयोग का आश्वासन दिया। साथ ही, कहा कि यदि हम एक राष्ट्र के रूप में काम करेंगे तो संसाधनों का कोई अभाव नहीं होगा।

बता दें कि कोविड-19 की ताजा लहर में सबसे अधिक प्रभावित 10 राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ पीएम मोदी ने चर्चा की। उन्होंने कहा कि कोरोना की पहली लहर के दौरान संयुक्त प्रयासों और संयुक्त रणनीति से भारत ने संक्रमण से सफलता पाई थी। इसी सिद्धांत पर काम करते हुए ताजा लहर से भी मुकाबला किया जा सकता है। बैठक के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से एक बयान जारी किया गया। इसके मुताबिक, पीएम मोदी ने कहा कि वायरस इस बार कई राज्यों के साथ ही टीयर-2 और टीयर-3 शहरों को प्रभावित कर रहा है। मिलकर काम करने और सामूहिक शक्ति से मुकाबला करने का आह्वान किया।

पतंजलि की तीन संस्थाओं में 86 कोरोना पॉजिटिव मिले, मचा हड़कंप

हरिद्वार। कोरोना महामारी का प्रकोप पूरे देश में बड़े पैमाने पर फैल रहा है। उत्तराखंड में भी बड़ी संख्या में कोरोना पॉजिटिव मरीज मिल रहे हैं।अब हरिद्वार में योग गुरु बाबा रामदेव के 3 संस्थानों में बड़ी संख्या में कोरोना पॉजिटिव मिलने से पतंजलि के साथ ही प्रशासन में भी हड़कंप मच गया।10 अप्रैल से बाबा रामदेव के विभिन्न संस्थानों में 83 कोरोना संक्रमित मिल चुके हैं, जिसमें पतंजलि में 46, योगग्राम में 28 और अचार्यकलुम में अब तक 9 कोरोना मरीज मिले हैं। तीनो संस्थानों में जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा जांच टीम भेजी गई है। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी के अनुसार तीनों संस्थानों में कॉन्ट्रैक्ट ट्रेसिंग की जा रही है।

ऑक्सीजन सप्लाई के लिए सिंघु बॉर्डर पर सड़क का एक हिस्सा खोलेंगे किसान, देंगे रास्ता

■ नईदिल्ली

केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर डटे किसानों ने ऐलान किया मेडिकल ऑक्सीजन ले जाने वाले वाहनों को रास्ता देने के लिए सिंघु बॉर्डर पर राजमार्ग के एक हिस्से को खोला जाएगा। हरियाणा सरकार के अधिकारियों के साथ शाम को हुई मुलाकात के बाद संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं ने गुरुवार को यह निर्णय लिया। बैठक में ऑक्सीजन वाले वाहनों, एम्बुलेंस और ऐसे अन्य आपातकालीन वाहनों को रास्ता देने के लिए सिंघु बॉर्डर पर राजमार्ग के एक तरफ की सड़क पर लगे बैरिकेड को हटाने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारी किसान कोविड-19 महामारी से निपटने में हरसंभव सहायता करेंगे। बैठक में सोनीपत के पुलिस अधीक्षक, मुख्यमंत्री ऑफिस के अधिकारी और संयुक्त किसान मोर्चा के नेता मौजूद रहे। दर्शनपाल ने प्रदर्शनकारी किसानों द्वारा दिल्ली को होने वाली ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित किए जाने के आरोपों को निराधार करार दिया। गौरतलब है कि नए कृषि कानूनों के खिलाफ बीते साल 26 नवंबर से हजारों की तादाद में किसान दिल्ली और हरियाणा की सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे हैं।

कोरोना देश में:24 घंटे में रिकॉर्ड 3.32 लाख नए मरीज मिले

नई दिल्ली। हम सभी के लिए दो बहुत बुरी और एक अच्छी खबर है। देश में कोरोना की रफ्तार कम होने का नाम नहीं ले रही है। हर रोज आंकड़ों के नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। पिछले 24 घंटे के अंदर अब तक के सबसे ज्यादा नए मरीज मिले हैं। इस दौरान 3 लाख 32 हजार 320 लोग पॉजिटिव पाए गए हैं। ये लगातार दूसरा दिन है जब देश में एक दिन के अंदर तीन लाख से ज्यादा मरीजों की पहचान हुई है। इससे पहले गुरुवार को 3.15 लाख लोग संक्रमित पाए गए थे।दूसरी चिंता की बात ये भी है कि मौतों की संख्या में भी रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज हो रही है। गुरुवार को एक दिन के अंदर 2,256 मरीजों ने दम तोड़ दिया। कोरोना से एक दिन के अंदर मरने वालों का यह आंकड़ा सबसे ज्यादा है।

बर्फबारी के साथ हिमाचल में फिर लौटी सर्दियां

■ शिमला

मौसम विभाग ने शुक्रवार को कहा कि पिछले 24 घंटों से राज्य में हो रही भारी बारिश और बर्फबारी के साथ हिमाचल प्रदेश में सर्दियां फिर लौट आई हैं। शिमला के करीब पर्यटन स्थल जैसे कुफरी और नारकंडा पर हल्की बर्फबारी होने से हिल स्टेशन ज्यादा खूबसूरत हो गए हैं। यहां से 250 किलोमीटर दूर मनाली और कल्पा के पास भी बर्फबारी हुई है।मौसम विभाग के एक अधिकारी ने आईएएनएस को बताया,

"लाहौल-स्पीति,कुल्लू, किन्नौर, चंबा, सिरमौर और शिमला जिलों के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी बुधवार को हल्की बर्फबारी हुई।राज्य के निचले इलाकों जैसे धर्मशाला, पालमपुर, सोलन, नाहन, बिलासपुर, ऊना, हमीरपुर और मंडी शहरों में मध्यम से भारी बारिश हुई, जिससे तापमान में काफी गिरावट आई।

अंबानी ने ब्रिटेन का आइकॉनिक कंट्री क्लब 592 करोड़ रुपए में खरीदा

■ नईदिल्ली

ब्रिटेन का मशहूर और आईकॉनिक कंट्री क्लब स्टोक पार्क अब भारतीय अरबपति मुकेश अंबानी की मिल्कियत हो गया है। 300 एकड़ में बने इस क्लब को मुकेश अंबानी ने 592 करोड़ रुपए (5.70 करोड़ पाउंड) में खरीदा है। यह अधिग्रहण रिलायंस इंडस्ट्री लिमिटेड की सहायक कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रियल इंवेस्टमेंट्स एंड होलडिंग्स लिमिटेड ने किया है। कंपनी ने यह जानकारी दी।स्टोक पार्क पर अब तक ब्रिटेन के शाही परिवार का मालिकाना हक था। इसे कई साल से बेचने की कोशिश की जा रही थी। इन्हें कैपेबिलिटी ब्राउन और हम्फरी रेप्टन ने डिजाइन किया था। इस पार्क का निर्माण बिट्रेन के राजा जॉर्ज थर्ड के आर्किटेक्ट जेम्स वॉट ने प्राइवेट प्लेस के तौर पर किया था।

सुनवाई | सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार से 27 अप्रैल तक मांगा जवाब

आक्सीजन की कमी दूर करने दूसरे दिन फिर हुई सुनवाई

■ नईदिल्ली

देशभर के अस्पतालों में ऑक्सीजन, वेंटिलेटर, बेड और जरूरी दवाओं की किल्लत को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस लिया है। इस मामले में शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन सुनवाई हई। इस दौरान चीफ जस्टिस एसए बोबडे ने ऑब्जर्व किया कि लोग ऑक्सीजन की कमी से मर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना काल में जरूरी सर्विसेज की सप्लाई को लेकर केंद्र सरकार को जवाब दाखिल करने का वक्त देते हुए इस मामले की अगली सुनवाई 27 अप्रैल को तय की है।

सीनियर वकीलों के ऐतराज पर सुप्रीम कोर्ट नाराजः कई हाईकोर्ट्स में इन मामलों की सुनवाई और फिर सुप्रीम कोर्ट की ओर से इस मामले को खुद उठाने के बाद सीनियर वकीलों ने ऐतराज जाहिर किया है। सीनियर एडवोकेट दुष्यंत दवे ने इसे अनुचित बताया। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप अपनी मंशा मढ़ रहे हैं। बिना ऑर्डर पढ़े या इनके जारी हुए ऐसी मंशा को गढ़ा जा रहा है, जिनका अस्तित्व ही नहीं है। क्या उन ऑर्डर्स के बारे में बाहर बात करने का यही तरीका है, जिन्हें अभी तक पास भी नहीं किया गया।

केस टेकओवर करने के बयानों पर बेंच ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा- चीफ जस्टिस एसए बोबडे ने कहा कि इस मामले को खुद नोटिस में लेने का यह मतलब नहीं है कि हमने हाईकोर्ट में चल रहे मामलों को सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर कर लिया है। हमारी ऐसी कोई मंशा नहीं रही है।

हरीश साल्वे एमिकस क्यूरी की जिम्मेदारी से हटेः सुनवाई के दौरान सीनियर एडवोकेट हरीश साल्वे ने केस से अलग होने की इजाजत मांगी। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें एमिकस क्यूरी अपॉइंट किया था। लेकिन उन्होंने केस से अलग होने की अर्जी देते हुए कहा, मैं नहीं चाहता कि कोई यह समझे कि मैं चीफ जस्टिस को जानता हूं।साल्वे इस मामले से अलग इसलिए हुए, क्योंकि सोशल मीडिया पर कई सवाल उठ रहे थे।

सुप्रीम कोर्ट 4 मुद्दों पर गौर कर रहा

चीफ जस्टिस ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट 4 मुद्दों पर गौर कर रहा है- ऑक्सीजन की सप्लाई, जरूरी दवाओं की सप्लाई, वैक्सीनेशन का तरीका और लॉकडाउन लगाने का राज्यों का अधिकार। कोर्ट ने कहा कि हम चाहते हैं कि लॉकडाउन का अधिकार राज्यों के पास रहे, यह ज्यूडिशियल फैसला नहीं होना चाहिए। फिर भी हम लॉकडाउन लगाने के हाईकोर्ट के न्यायिक अधिकारों पर गौर करेंगे।

5 हाईकोर्ट पहले ही सरकार को फटकार लगा चुकेः उधर दिल्ली हाईकोर्ट ने भी सरकार को निर्देश दिए हैं कि केंद्र को अपने आदेशों का सख्ती से पालन करवाना चाहिए। भले ही धरती-आसमान एक करना पड़े। अस्पतालों में ऑक्सीजन और जरूरी दवाओं की कमी को लेकर 4 राज्यों के हाईकोर्ट पहले ही सरकार को फटकार लगा चुके हैं।

गरीबों को केंद्र देगी तीन माह का राशन

नई दिल्ली । कोरोना महामारी के बीच केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत सरकार ने अगले दो महीने (मई और जून) के लिए प्रति व्यक्ति 5 किलोग्राम मुफ्त अनाज देने का ऐलान किया है। केंद्र सरकार की इस पहल से 80 करोड़ लोगों को फायदा मिलने की उम्मीद है। बताया गया कि केंद्र सरकार कोरोना महामारी की मौजूदा स्थिति को देखते हुए अगले दो महीने का अनाज मुफ्त देगी। इसके लिए 26,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जाएंगे। सरकार की तरफ से यह घोषणा ऐसे समय की गई है, जब देश में कोरोना से हालात बेकाबू होते नजर आ रहे हैं। पीएम मोदी ने शुक्रवार को कहा कि जब देश कोरोना वायरस की दूसरी लहर का सामना कर रहा है, उस वक्त गरीबों को पोषण युक्त अनाज मिले यह बहुत महत्वपूर्ण है। सरकार इस योजना पर करीब 26 हजार करोड़ रुपये खर्च कर 80 करोड़ लोगों को फायदा पहुंचाएगी। गौरतलब है कि सरकार ने पिछले साल लॉकडाउन के समय इसी तरह प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत लोगों को अनाज बांटे थे।

कोविड-19 ओं के लिए राहत

जिला चिकित्सालय ने 10 बेड आईसीयू और 30 अतिरिक्त बेड किए तैयार

आक्सीजन का बड़ा टैंकर भी दतिया जिला अस्पताल पहुंचा, 7 दिनों से ज्यादा का भंडारण

■ दतिया।

जिला चिकित्सालय ने युद्ध स्तर पर कोरोना संक्रमण से लड़ने की तैयारियां के चलते जिला चिकित्सालय में 10 आईसीयू बेड आक्सीजन सहित तैयार कर लिए गए हैं। इसके अलावा 40 अतिरिक्त बेड भी जहां मरीजों को आक्सीजन उपलब्ध रहेगी, वे भी तैयार कर लिए गए हैं। इसके अलावा आक्सीजन का बड़ा टैंकर भी जिला चिकित्सालय को शुक्रवार को प्राप्त हो गया। इसके बाद अब अन्य शहरों की तरह दतिया जिला चिकित्सालय में आक्सीजन की कोई समस्या नहीं है। यह जानकारी मुख्य जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. आर.बी. कुरेले ने दी।सीएमएचओ डा, आर बी कुरेले ने बताया कि जिला चिकित्सालय में 40 अतिरिक्त बेड और तैयार कर लिए गए हैं। इस प्रकार मेडिकल कॉलेज और जिला चिकित्सालय के में कोरोना संक्रमित मरीजों के लिए लगभग 200 से अधिक बेड पूरी तैयारी के साथ उपलब्ध है। इसके अलावा 35 वेंटिलेटर भी जिला चिकित्सालय में कोरोना मरीजों के लिए उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि आक्सीजन जो गत दिनों मात्र 5 दिनों का ही रह गया था। उसकी आपूर्ति गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के प्रयासों से शुक्रवार को ऑक्सीजन का बड़ा टैंक भी प्राप्त हो गया है जिसे जिला चिकित्सालय परिसर में बनाए गए आक्सीजन टैंक में सप्लाई कर दिया गया है। अब 70 लाख लीटर आक्सीजन उपलब्ध है, यदि इस आक्सीजन टैंक से 24 घंटे भी सभी बेडो पर आक्सीजन सप्लाई की जाती है, तो भी 7 दिनों तक आक्सीजन की किसी भी मरीज को कोई कमी नहीं होने वाली है। इसके अलावा 292 आक्सीजन गैस के सिलेंडर भी अतिरिक्त उपलब्ध है, जो आपात स्थिति में इस्तेमाल किए जा सकते हैं। डॉ श्री कुरेले ने बताया कि मेडिकल मेडिकल कॉलेज व जिला चिकित्सालय के संयुक्त प्रयासों से पूरा पैरामेडिकल स्टाफ और विशेषज्ञों की टीम जिला चिकित्सालय में कोरोना मरीजों के लिए उपलब्ध है। बड़ी संख्या में सक्रमित निकलने के बाद भी अन्य शहरों की तरह से यहां पर कोई आपाधापी नहीं है। इसमें कलेक्टर संजय कुमार की आपात कालीन योजना का भी बड़ा योगदान है।अगर कोई संक्रमित आता है तो उसके सीधे भती का की प्रक्रिया की जाती है। उन्होंने पैरामेडिकल स्टाफ की प्रशंसा करते हुए बताया कि पूरा पैरामेडिकल स्टाफ भी 24 घंटे मरीजों की सेवा व सहायता में जुटा हुआ है। उन्होंने अपील की कि गंभीर स्थिति होने से पूर्व ही मरीज को हॉस्पिटल लेकर आ जाए। इसके अलावा प्रतिदिन फीवर क्लीनिक में लगभग 500 से अधिक सैंपल की जांच की जा रही है, जो अन्य बड़े शहरों की तुलनात्मक रूप से बेहतर है। उन्होंने सभी लोगों से कोरोना गाइड लाइन का पालन करने के लिए कहा है और कहा है कि इसे पूरी तरह से स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ पालन करने पर ही करना संक्रमण खत्म होगा।

प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा जिला चिकित्सालय स्थित लिक्विड ऑक्सीजन टैंक का किया गया निरीक्षण

■ दतिया।

जिला चिकित्सालय स्थित लिक्विड ऑक्सीजन टैंक का प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा निर्देश दिए गए की ऑक्सीजन टैंक की देखरेख के लिए सीसीटीवी कैमरे लगे होने चाहिऐ एवं दो टेक्नीशियन अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे साथ ही टैंक की सुरक्षा हेतु दीवार बनवाने के लिए कहा गया। जिला चिकित्सालय स्थित लिक्विड ऑक्सीजन टैंक की क्षमता 10000 लीटर है। चिकित्सालय में उपयोग होने वाले बी टाईप ऑक्सीजन सिलेंडर की क्षमता 10.2 लीटर एवं डी टाईप ऑक्सीजन सिलेंडर की क्षमता 46.7 लीटर होती है अर्थात इस ऑक्सीजन टैंक की सहायता से काफी ऑक्सीजन सिलेंडर भरे जा सकते हैं। निरीक्षण के दौरान एसडीएम अशोक सिंह चौहान, नेत्र विभागाध्यक्ष एवं डी सी एच नोडल अधिकारी डॉ के के गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, कोतवाली टीआई धनेंद्र सिंह भदोरिया उपस्थित रहे।

गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा जी ने कोरोना वार्ड मे पहुंचकर मरीजों का जाना हाल-चाल

मरीजों को उपचार में परेशानी न हो कोरोना संक्रमण को रोकने में मोहल्ला क्लीनिकों का भी सहयोग लें -डॉ नरोत्तम मिश्रा

गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा जी ने की कोविड-19 की समीक्षा दिए निर्देश

गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा जी ने जरूरतमंद नागरिकों को दतिया नगर में बाटी राशन सामग्री

■ दतिया।

मध्यप्रदेश शासन के गृह जेल संसदीय कार्य विधि विधायी मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा जी ने कोरोना संक्रमण को रोकने एवं संक्रमित मरीजों के लिए उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं की समीक्षा करते हुए कह कि मोहल्ला क्लीनिकों का भी कोरोना संक्रमण को रोकने में सहयोग लें मोहल्ला क्लीनिकों पर कोरोना की जांच की व्यवस्था भी हो जिससे जिल चिकित्सालय पर अनावश्यक मरीजों का दबाव न रहे इसके लिए निजी चिकित्सकों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए जावे गृह मंत्री डॉ नरोत्म मिश्रा जी जिले के एक दिवसीय प्रवास पर शनिवार को मेडीकल कॉलेज दतिया में जिले में कोरोना संक्रमण को रोकने एवं भती मरीजों को उपलब्ध विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे बैठक में उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से कहा सभी नागरिकों को समय पर सभी सुविधाएं मिले कोई भी नागरिक परेशान ना हो कोरोना महामारी से सभी को बचना है प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार सभी की नागरिकों की कर रही है चिंता इसके पश्चात गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा जी ने दोपहर 3:00 बजे दतिया नगर के वार्ड 23 में पहुंचकर जरूरतमंद नागरिकों को राहत सामग्री वितरण की और उनसे से कहा अपने-अपने घर पर रहे कोरोना महामारी से अपना बचाव करें और अपने परिवार को स्वस्थ रखें बैठक में कलेक्टर संजय पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौर भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र बिधौलिया अपर कलेक्टर एके चॉदिल जिला पंचायत मुख्य कायर्पालन अधिकारी अतेन्द्र सिंह गुर्जर दतिया एसडीएम अशोक सिंह चौहान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आरबी कुरेले सिविल सर्जन डॉ बाथम कोतवाली टीआई ध्यानेंद्र भदौरिया सहित वरिष्ठ भाजपा नेता उपस्थित रहे

कोविड-19 की रोकथाम हेतु नगर पालिका द्वारा कोरोना संक्रमण रोकने हेतु गली मोहल्ला को किया सैनिटाइज

दतिया। जिले में कोरोना संक्रमण के बढ़ते हुए मरीजों की संख्या को देखते हुए आज नगर पालिका की ओर से वार्ड क्रमांक 18 को किया गया सेनीटाइज कोरोना संक्रमण को रोकने में सभी लोगों का सहयोग मिले लोगों को कोरोना से बचाव हेतु किए जा रहे प्रयासों लॉकडाउन मैं कोरोना से बचाव हेतु लोगों को जागरूक करने हेतु मास्क लगाए जाने हेतु सोशल डिस्टेंस का पालन करने हेतु सैनिटाइजर का इस्तेमाल करने और घर पर रहने हेतु जिला प्रशासन पहले ही अवगत करा चुका है टीकाकरण अभियान कोरोना के बचा हेतु टीके का प्रथम डॉज लगाया जा चुका है दूसरा डोज भी लगाया जाना है कई जगह लग चुका है ड्ड्प्र्-19 गाइडलाइन का पालन हो कलेक्टर श्री कुमार कोरोना संक्रमण की प्रति लोगों को जागरूक किए जाने हेतु जागरण अभियान रोको टोको अभियान साथ ही लोगों के बीच संपर्क एवं संसर्ग को कम करने के लिए किए जा रहे कार्यो की जानकारी लोगों को घर से बाहर फालतू न निकलने पर मना किया जाए प्रचार रथ के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है जिससे कोरोना की चैन को तोड़ा जा सके कोरोना वायरस से एक ही बचाव है सतकर्ता बरतने और लोगों में जागरूकता रहने की।

गृहमंत्री ने गरीब परिवारों को वितरित किया तीन माह का निःशुल्क खाद्यान

■ दतिया।

मध्यप्रदेश शासन के गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत गरीब परिवारों को तीन माह का खाद्यान निःशुल्क प्रदान किया।गृहमंत्री ने इस मौके पर कहा कि सरकार कोरोना के संकट काल में गरीबों के साथ खड़ी है। गरीबों को खाद्यान लेने में परेशानी न आये इसके लिए तीन माह का एक साथ खाद्यान निःशुल्क प्रदान किया जा रहा है। गृहमंत्री डॉ मिश्रा ने लाला के ताल दतिया में 10 गरीब परिवारों को निःशुल्क खाद्यान के पैकेट प्रदान किये। कलेक्टर संजय कुमार ने इस मौके पर बताया कि पूर्व से चयनित जिले के 1 लाख गरीब परिवारों का सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत अप्रैल मई एवं जून तीन माह का एक मुश्त खाद्यान प्रति व्यक्ति 5 किलो प्रतिमाह के मान से निःशुल्क वितरित किया जारहा है। इसी के तहत इन हितग्राहियों को खाद्यान वितरित किया गया है। वितरित खाद्यान में गेंहूँ, चावल एवं मोटा अनाज में ज्वार एवं बाजरा शामिल है। इस दौरान योगेश सक्सैना, अतुल भूरे चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी शेलेश शर्मा, सहायक आपूर्ति अधिकारी डीएस धाकरे आदि मौजूद रहे।

सेवड़ा में उड़ रही है कोरोना कर्फ़्यू की धज्जियां : कोरोना से लोगो का हाल-बेहाल, दुकानदारों को कमाना है माल

सेवड़ा में हाडवेंयर से लेकर साड़ी तक अनावश्यक विक्रय चलन में

■ दतिया।

कोरोना काल में जनजीवन पूरी तरीके से अस्त-व्यस्त है। वही पूरा जनमानस हैरान परेशान बना हुआ है। इसके बावजूद भी कुछ मुनाफाखोर इस कोरोना काल फायदा उठाने में लगे हुए हैं। यूं तो पूरे मध्यप्रदेश सहित दतिया जिले में कोरोना का कहर गजब ढा रहा है और दिनों दिन लोगों की मौत हमको रोना कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। जिसके फलस्वरूप शासन प्रशासन ने कोरोना कर्फ़्यू लागू कर रखा है। इसका पालन करने के लिए सख्त निर्देश दिए गए हैं, उसके बावजूद भी मुनाफाखोर अधिक कमाई का जरिया कोरोना काल को बनाए हुए हैं और अधिक कमाई करने के लिए अपनी अपनी दुकान खोल कर अनावश्यक सामान विक्रय कर रहे हैं। मामला दतिया जिला मुख्यालय के सेवड़ा का है। जहां सदर बाजार में अधिक मुनाफा खोर कोरोना में अपनी अपनी दुकान मनमजी के मुताबिक खोली जा रहे हैं तथा अनावश्यक सामान विक्रय कर लोगो की भीड़ जोड़ी जा रही है। जिससे इनकी इस कोरोना काल मे चांदी कट रही है, वहीं दूसरी ओर सेवड़ा वासियों का कोरोना के चलते बुरा हाल बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि कोरोना की चेन तोड़ने के लिए जिला प्रशासन द्वारा पूर्ण रूप से लॉकडाउन एवं कोरोना कर्फ़्यू लागू किया गया है। उसके बावजूद भी यह मुनाफा खोर और अपनी अपनी दुकान खोलकर कोरोना महामारी को आमंत्रण दे रहे हैं। इनकी दुकान खोले जाने से लॉकडाउन एवं कोरोना की चेन तोड़ने के लिए बनाये गए जैसे कड़े नियमों की धज्जियां तो उड़ ही रही है, वहीं दूसरी ओर संभव था कोरोना महामारी को भी बढ़ने की ओर बढ़ावा दिया जा रहा है। अब देखना है कि ऐसे दुकान संचालकों के विरुद्ध सेवड़ा प्रशासन क्या कार्रवाई करता है।

कोविड महामारी की रोकथाम के लिये 3 करोड़ का आवंटन स्वीकृत

उज्जैन। कोरोना महामारी की रोकथाम के लिये आवश्यक उपकरण क्रय करने, पुनर्वास शिविरों के संचालन तथा आवश्यक कार्यों में तैनात कर्मचारियों की सुरक्षा के लिये राज्य सरकार ने तीन करोड़ रुपये का आवंटन प्रदान किया है। इसके लिये अन्तर्विभागीय समिति गठित की गई है। समिति में अध्यक्ष कलेक्टर श्री आशीष सिंह रहेंगे। समिति में राहत शाखा के अपर कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ, सीएमएचओ, जिला कोषालय अधिकारी तथा राहत एवं वित्त शाखा के प्रभारी अधिकारी रहेंगे।

जरूरतमंदों के लिए मां पराम्बा भोजन प्रसादी सेवा का श्रीगणेश

इन्दौर। लोकोपकार सेवा वाटिका वेलफेयर सोसायटी की ओर से शुक्रवार से शहर में मां पराम्बा भोजन प्रसादी सेवा का शुभारंभ किया गया है। इसका लाभ ऐसे लोगों को मिल सकेगा, जिनके पास जिला प्रशासन द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के कारण रोजगार अथवा जीविका चलाने के लिए अन्य कोई व्यवस्था उपलब्ध नहीं रह गई है अथवा जिनके परिवार में रोजगार के कोई साधन उपलब्ध नहीं है। सोसायटी की अध्यक्ष डॉ. अदिति सिंघल ने बताया कि श्रीश्री विद्याधाम के महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती एवं एमफार सेवा के स्वामी एंश्वयानंद सरस्वती तथा विधायक आकाश विजयवर्गीय की प्रेरणा से यह योजना आज से शुरू कर दी गई है। जरूरतमंद लोग सोसायटी के विनोद सिंघल से 92291 71880, अमित गौतम से 99260 64311, जयदीप नामदेव से 91119 41114, आवेश राठौर से 96173 76832 पर संपर्क कर अपने घर के सदस्यों की संख्या (जिन्हे भोजन की जरूरत है), पूरा पता, लेंडमार्क आदि की जानकारी सहित सूचना दे कर घर बैठे भोजन के पैकेटस बुलवा सकते हैं। यह योजना पूरी तरह निशुल्क रहेगी।

बुरहानपुर जिले में नवाचार : 'जिला कोरोना योद्धा सेल' का गठन

बुरहानपुर/इन्दौर। कोरोना संक्रमण को रोकने और आमजन को प्रशासनिक व्यवस्थाओं से अवगत करवाने के लिये सभी जिलों में विभिन्न गतिविधियाँ की जा रही हैं। स्थानीय प्रशासन जिले की स्थिति अनुसार कई नवाचार भी कर रहे हैं। ऐसा ही एक नवाचार बुरहानपुर जिले में किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा 'जिला कोरोना योद्धा सेल' का गठन किया गया है। इस सेल का उद्देश्य शासकीय अधिकारी, कर्मचारी और उनके परिवारजनों के कोविड संक्रमित होने पर उनके इलाज में मदद करना है। आवश्यक होने पर रेमडेसिविर इंजेक्शन और अन्य जीवन-रक्षक दवाइयाँ उपलब्ध कराने में मदद करना है। शासकीय और निजी अस्पतालों में उपचार के दौरान कोरोना संक्रमित अधिकारियों/कर्मचारियों अथवा

सुविधा

4 घंटे की मशक्कत के बाद एयरपोर्ट से खाली ऑक्सीजन टैंकर लेकर जामनगर के लिए उड़ा वायुसेना का विमान

इंदौरियों को सांसें देने सेना ने संभाला मोर्चा, 24 घंटे का समय बचेगा

■ इंदौर

देश में कोरोना के कारण बिगड़ते हालात को देखते हुए ऑक्सीजन सप्लाई को लेकर भारतीय वायु सेना ने मोर्चा संभाल लिया है। शुक्रवार दोपहर करीब 3.20 बजे वायु सेना 317 एयरक्राफ्ट इंदौर एयरपोर्ट पहुंचा। करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद शाम साढ़े सात बजे विमान खाली ऑक्सीजन टैंकर लेकर जाम नगर के लिए उड़ा। विमान में टैंकर लोड करने में इतना समय लग गया। इसमें तकनीकी समस्या आ रही थी, लेकिन बाद में समाधान किया गया।

विमान खाली टैंकर को जाम नगर छोड़ आएगा। इसके बाद ये टैंकर जामनगर से भरकर सड़क मार्ग से इंदौर आएगा। इंदौर से जामनगर करीब 700 किलोमीटर की दूरी तय करने में टैंकर को एक तरफ करीब 24 से 27 घंटे लगते हैं। इस दौरान टैंकर की अधिकतम स्पीड 50 किलोमीटर प्रतिघंटे से भी कम होती है। ऐसे में विमान टैंकर को करीब एक घंटे में ही जामनगर पहुंचा देगा। इस तरह करीब 24 घंटों की बचत होगी। इसके बाद प्लेन वापस इंदौर आकर करीब तीन घंटे बाद फिर से एक टैंकर लेकर जाएगा।

लोडिंग में लग गए चार घंटे

इंदौर एयरपोर्ट पर वायुसेना का विमान करीब 3:20 बजे पहुंचा था। एयरपोर्ट पर इंजीनियरों की भीड़ होने के बावजूद टैंकर को विमान में लोड करने में करीब चार घंटे लग गए। चार घंटे बाद करीब साढ़े सात बजे विमान में टैंकर लोड हो सका। बताया जा रहा है कि टैंकर को विमान में लोड करने में ऊंचाई आड़े आ रही थी। फिलहाल एयरपोर्ट प्रबंधन इस पर कुछ भी कहने से बच रहा है। बताया जाता है कि सेना को टैंकर की ऊंचाई नहीं बताई गई थी।

अन्य जगहों पर भी वायुसेना के विमान ऑक्सीजन कंटेनर्स को पहुंचाने का काम कर रहे हैं। इंदौर में ऑक्सीजन की मांग हर दिन 100-110 टन पर पहुंच गई है। आपूर्ति केवल 75-80 टन के करीब है, जो मांग से 25-30 फीसदी कम है। इसके चलते हर दो-दो घंटे में ऑक्सीजन खत्म होने का संकट खड़ा हो रहा है।वहीं, रेमडेसिविर इंजेक्शन की हालत तो और भी खराब है। इंदौर को औसतन हर दिन दो हजार रेमडेसिविर मुश्किल से मिल रहे हैं और जरूरत छह हजार प्रतिदिन की है। मांग से 70 फीसदी कम इंजेक्शन मिल रहे हैं।

आर्मी से प्रदेश सरकार ने मांगी थी मदद

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चार दिन पहले सेना से मदद मांगी थी। उन्होंने सुदर्शन कोर कमांडर अतुल्य सोलंकी व बिग्रेडियर आशुतोष शुक्ला के साथ बैठक हुई। जानकारी के मुताबिक आर्मी के अफसरों ने भोपाल, जबलपुर, सागर व ग्वालियर में 430 बेड अस्पतालों व आइसोलेशन सेंटर देने का भरोसा दिया। इसमें से भोपाल में 150, जबलपुर में 100, सागर में 40 और ग्वालियर में 40 बेड की व्यवस्था की जाएगी। आर्मी के अफसरों ने मरीजों की देखभाल के लिए पैरामेडिकल स्टाफ उपलब्ध कराने के लिए भी आश्वस्त किया।

संक्षेप में...

इटली में 15 साल नहीं की नौकरी, मिलती रही सैलरी

रोम । इटली में काम ना करके भी 4.8 करोड़ रुपए कमाने का एक मामला सामने आया है। सुनने में अजीब है, लेकिन सच है। यहां अस्पताल में काम करने वाला एक कर्मचारी 15 सालों से अपने काम पर नहीं गया लेकिन उसे हर महीने बराबर सैलरी मिली है। पुलिस ने जानकारी दी कि शख्स ने साल 2005 में ही यहां काम करना बंद कर दिया था लेकिन इसके बाद भी उसे वेतन मिलता रहा। शख्स ने इन 15 सालों में करीब 5.38 लाख यूरो (करीब 4.8 करोड़ रुपये) कमाया है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी कैटनजारो शहर के सियासीओ अस्पताल में काम करता था। लेकिन जब यह मामला सबके सामने आया, इटली के अधिकारियों के होश उड़ गए। इस कर्मचारी की उम्र 66 साल है और इस पर धोखाधड़ी, जबरन वसूली और कार्यालय के दुरुपयोग के आरोप लगाए गए हैं। वहीं अस्पताल के छह मैनेजरों पर भी कार्रवाई चल रही है। पुलिस ने शक जताया है कि उन्होंने आरोपी शख्स के अनुपस्थित रहने के बाद भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया। ये मामला तब सामने आया जब इटली की पुलिस धोखाधड़ी और अनुपस्थित रहने के एक दूसरे मामले की जांच कर रही थी। बता दें कि इटली के सार्वजनिक क्षेत्र में इस तरह के मामले आते रहते हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी शख्स ने 2005 में अपने मैनेजर को धमकी दी थी, क्योंकि वो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक रिपोर्ट दर्ज करने जा रही थी। बाद में मैनेजर रिटायर हो गई और कर्मचारी अनुपस्थित रहने लगा।

जलवायु के क्षेत्र में निवेश करें धनी देशः जॉनसन

लंदन । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि अगर हम पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए भविष्य का निर्माण करेंगे तो कोविड-19 महामारी के बाद की दुनिया पहले से कहीं बेहतर होगी और दुनिया के धनी देशों को इसमें आगे बढ़कर निवेश करने की जरुरत है। पृथ्वी दिवस के अवसर पर अमेरिका के नेतृत्व में हो रहे वर्चुअल जलवायु सम्मेलन में जॉनसन ने ब्रिटेन की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि उनका देश कार्बन उत्सर्जन को शून्य करने के लक्ष्य से कानून बनाने वाला पहला देश है और अपने लक्ष्य को वह आधा हासिल कर चुका है। उन्होंने कहा कि नवंबर में ग्लासगो में होने वाले ब्रिटेन के कोप26 जलवायु सम्मेलन के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए तेजी से काम करने की दिशा में कानून बनाया है और तय किया है कि 2035 तक कार्बन उत्सर्जन को 78 प्रतिशत तक घटा दिया जाएगा। जॉनसन ने कहा, हम पूरी दुनिया के साथ मिलकर ऐसा कर सकते हैं। इसका मतलब यह है कि सबसे धनी देशों को साथ आगे बढ़कर 2009 में किए गए 100 अरब अमेरिकी डॉलर के अनुदान के वादे से ज्यादा देना होगा।

चीन के रक्षा मंत्री का अगले सप्ताह श्रीलंका दौरा

कोलंबो । चीन के रक्षा मंत्री जनरल वेई फेंगहे अपनी तीन दिवसीय यात्रा पर अगले सप्ताह श्रीलंका पहुंचेंगे और राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे एवं प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे से मुलाकात करेंगे। श्रीलंका सरकार के सूचना विभाग ने बताया कि जनरल वेई 27 अप्रैल को कोलंबो पहुंचेंगे और कोविड-19 महामारी की शुरूआत के बाद वह देश का दौरा करनेवाले चीन के उच्च स्तर के दूसरे अधिकारी होंगे। अक्टूबर में चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के उपाध्यक्ष यांग जिएची ने द्वीप देश की यात्रा की थी। इसने कहा कि जनरल वेई श्रीलंकाई राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे।

चीन ने अमेरिका के पेरिस समझौते में लौटने का स्वागत किया

बीजिंग । चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने जलवायु परिवर्तन पर बहुपक्षीय समझौते में अमेरिका की वापसी का स्वागत किया और कहा कि विभिन्न देशों को कार्बन उत्सर्जन में कटौती करने की अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान करना चाहिए। इसके साथ ही जिनपिंग ने 2060 तक शून्य कार्बन स्तर की अपने देश की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने जलवायु परिवर्तन पर विश्व के प्रमुख नेताओं के वीडियो कांफ्रेंस के जरिए आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, चीन बहुपक्षीय जलवायु शासन प्रक्रिया में अमेरिका की वापसी का स्वागत करता है।

ड्रोन से होगी कोरोना वैक्सीन की डिलीवरी

नई दिल्ली । देशभर में कोरोना से स्थिति भयावह होती जा रही है। अस्पतालों में गंभीर रूप से संक्रमित मरीजों की संख्या में बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही। दैनिक मामलों के आधार पर भारत ने अमेरिका को भी पीछे छोड़ दिया है। ऐसे में सरकार कोविड-19 वैक्सीन लगवाने की रफ्तार बढ़ाने पर ध्यान दे रही है।

केंद्र सरकार ने कोरोना के टीकों की आपूर्ति ड्रोन से करने के लिए एक अध्ययन की अनुमति दे दी है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) को ड्रोन के जरिए वैक्सीन की आपूर्ति की संभावना तलाशने के लिए अध्ययन की इजाजत दी है। आईसीएमआर यह अध्ययन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के सहयोग से करेगा। आईसीएमआर को अध्ययन की यह छूट मानव रहित विमान प्रणाली नियम, 2021 के तहत शर्त के साथ दी गई है। ताकी वह वैक्सीन की डिलीवरी में ड्रोन के इस्तेमाल की संभावना तलाशने सके।

मास्को में व्लादिमिर लेनिन के स्मारक पर फूल अर्पित करते हुए लोग...

ब्रिटेन में आज से लागू हो रहा है रेड लिस्ट यात्रा प्रतिबंध

भारत को नहीं दी आठ अतिरिक्त उड़ानों के संचालन की अनुमति

लंदन ■ एजेंसी

भारत को ब्रिटेन ने आठ अतिरिक्त उड़ानों के संचालन की इजाजत देने से इन्कार कर दिया है। कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए देश में शुक्रवार से रेड लिस्ट यात्रा प्रतिबंध लागू हो रहा है। ब्रिटेन के सबसे व्यस्ततम हीथ्रो हवाई अड्डे ने कहा कि अतिरिक्त उड़ानों की इजाजत इसलिए नहीं दी गई, ताकि पासपोर्ट नियंत्रण कक्ष पर अतिरिक्त बोझ न पड़े और लंबी-लंबी लाइनें न लगे। इसी सप्ताह की शुरूआत में हाउस आफ कामंस में भारत को रेड लिस्ट में शामिल करने का एलान किया गया था। ब्रिटेन में कोरोना वायरस के नए वैरिएंट के 103 मामले सामने आए हैं। यह ऐसा वैरिएंट है, जिसका पता सबसे पहले भारत में चला था। स्वास्थ्य मंत्री मैट हैनकाक ने बताया कि यह फैसला आंकड़ों का अध्ययन करने के लिए लिया गया है। इसके तहत कोई ऐसा व्यक्ति जो ब्रिटेन का नागरिक नहीं है और पिछले 10 दिनों से भारत में रह रहा है तो उसे यहां आने की इजाजत नहीं होगी। इस बीच, आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्काट मौरिसन ने भारत और कोरोना के जोखिम वाले अन्य देशों से आने वाले विमानों की उड़ान में 30 प्रतिशत कटौती का एलान किया। कैनबरा में मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मौरिसन ने कहा कि हम इस बात पर सहमत हैं कि खासकर उत्तरी इलाके में चार्डर्ट सेवाओं में कटौती की जाए। जानकारी के अनुसार, सिडनी के लिए सरकार की ओर से संचालित और निजी दोनों तरह की विमान सेवाओं पर उड़ान में कटौती का यह नियम लागू होगा।

कनाडा ने बैन की भारत और पाक से आने वाली सभी फ्लाइटें

ओट्टावा । कनाडा ने यहां से आने वाली अपनी सभी उड़ानें भारत- पाक के लिए रदद कर दी हैं। इतना ही नहीं, भारत और पाकिस्तान में बढ़ते कोरोनावायरस के मामलों के मद्देनजर कनाडा ने दोनों देशों से आने वाली सभी फ्लाइट्स पर बैन लगा दिया है। कनाडा ने कहा है कि फ्लाइट्स पर ये बैन 30 दिनों तक लागू रहेगा और ऐसा बढ़ते कोविड-19 मामलों के मद्देनजर किया गया है। गौरतलब है कि भारत में कोरोना की दूसरी लहर देखने को मिल रही है और हर दिन संक्रमण के मामलों में इजाफा हो रहा है। दूसरी ओर, पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान भी वायरस की तीसरी लहर से बुरी तरह जूझ रहा है।

भारत और यूएई के बीच 10 दिन के लिए फ्लाइट्स पर रोक

यूएई । दुनियाभर में कोरोना के मामले रोज नए रिकॉर्ड बना रहे हैं। लगभग सभी देशों में कोरोना के नए मामले फिर से बढे लगे हैं। बीते दिन दुनिया में रिकॉर्ड 8 लाख 80 हजार 977 मामले सामने आए। यह कोरोना महामारी की शुरूआत से अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पहले 7 और 8 जनवरी को 8.43 लाख नए केस सामने आए थे। यूएई ने भारत से उड़ानों पर 10 दिन के लिए रोक लगा दी है। यह रोक 24 अप्रैल से शुरू होगी। यूएई सरकार ने यह फैसला भारत में कोविड-19 के नए वैरिएंट और इसके बढ़ते मामलों के मद्देनजर लिया है। ऐसे लोग जो बीते 14 दिन से भारत में थे,

सरकार नियमित रूप से स्थिति की समीक्षा और निगरानी कर रही है

■ **नईदिल्ली**

देशभर में कोविड-19 महामारी के मामलों में हाल में हुई वृद्धि के मद्देनजर कोरोनावायरस से प्रभावित लोगों को ऑक्सीजन, टीके और अन्य आवश्यक सुविधाओं के साथ इसके प्रचालन तंत्र को सुनिश्चित किया जा रहा है। केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामले मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित एक आभासी सत्र के दौरान इस संदर्भ में जानकारी दी। सीतारमण ने उल्लेख किया कि सरकार नियमित रूप से स्थिति की समीक्षा और निगरानी कर रही है और देश में मांग और आपूर्ति को पूरा करने के लिए राज्यों, अस्पतालों और ऑक्सीजन आपूर्तिकताओं के बीच एक बेहतर समन्वय बनाए रखने की दिशा में तत्परता से काम कर रही है।वित्तमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वयं प्रख्यात चिकित्सकों और वैक्सीन निमार्ताओं के साथ स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। भारत में अंतर्राष्ट्रीय निकायों द्वारा प्रमाणित टीकों के आयात को भी अनुमति दे दी गई है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा वैक्सीन निमार्ताओं

के लिए अग्रिम समर्थन को बढ़ाया जा रहा है और कोरोनोवायरस के खिलाफ टीकाकरण अभियान को और आगे बढ़ाते हुए 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए 1 मई 2021 से टीकाकरण की अनुमति दे दी गई है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि महत्वूपर्ण घोषणाऐं की गई है और इस पर सीमा शुल्क को माफ कर दिया गया है। देश में रेमडेसिवीर इंजेक्शन की आवश्यकता और उपयोग को देखते हुए इसके निर्यात पर रोक भी लगा दी गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि इन घोषणाओं से इंजेक्शन की उपलब्धता बढ़ने की आशा है। सीतारमण ने कहा कि ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए, देश में मांग और आपूर्ति को पूरा करने के लिए सरकार कम सक्रिय विनिर्माण क्षमताओं की पहचान कर रही है।

राहुल गांधी ने कहा, देश में ऑक्सीजन की कमी के लिए सरकार जिम्मेदार

■ **नईदिल्ली**

कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने ऑक्सीजन और आईसीयू बेड्स की कमी को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि देश में ऑक्सीजन और आईसीयू बेड्स की कमी के लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है। राहुल गांधी ने ट्वीट किया, 'कोरोना के चलते ऑक्सीजन के लेवल में कमी आ सकती है, लेकिन देश में इसकी कमी के लिए सरकार जिम्मेदार है। ऑक्सीन और आईसीयू बेड्स की कमी से हो रही मौतों के लिए सरकार जिम्मेदार है। साथ ही राहुल गांधी ने लिखा है, 'भारत सरकार यह आप पर है। राहुल गांधी का यह बयान ऐसे वक्त में आया है, जब देश में कोरोना केस तेजी से बढ़ रहे हैं। शुक्रवार को भारत में बीते 24 घंटे में 332,730 नए केस मिले हैं। कोरोना की दूसरी लहर के चलते देश बुरी तरह प्रभावित है और बीते एक महीने में नए केसों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। यहां तक कि इसके चलते देश के कई राज्यों में डॉक्टरों, हेल्थ वर्कर्स की भी कमी देखने को मिल रही है।

36 साल बाद मिलीं जन्म के कुछ महीने बाद बिछड़ीं जुड़वा बहनें

फ्लोरिडा । यह किसी फिल्म की कहानी सी लग सकती है लेकिन मॉली सिनर्ट और एमिली बुशनेल की जिंदगी का सच यही रहा। दक्षिण कोरिया में पैदा हुई जुड़वा बहनों को अलग-अलग परिवारों ने गोद ले लिया। अब 36 साल बाद जाकर दोनों ने जब दूसरे को देखा तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। दोनों बहनों को अमेरिकी परिवारों ने गोद ले लिया था। मॉली फ्लोरिडा पहुंच गई और एमिली पेन्सिलवेनिया। उनकी जिंदगियां अलग-अलग चल रही थीं लेकिन एमिली की 11 साल की बेटी इजाबेल को अपनी मां के परिवार के बारे में जानना था।

नासा ने 5 ग्राम ऑक्सीजन बना रचा इतिहास

मंगल के वायुमंडल से बनाई सांस लेने योग्य ऑक्सीजन

न्यूयार्क। नासा के परसिवरेंस रोवर ने 63 दिन बाद अपने प्रमुख उद्देश्यों में से एक में सफलता हासिल कर ली है। रोवर ने मॉक्सी नाम के उपकरण से मंगल के वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड लेकर शुद्ध सांस लेने योग्य 5 ग्राम ऑक्सीजन का निर्माण किया है। यह ऑक्सीजन एक अंतरिक्ष यात्री के 10 मिनट के सांस लेने के बराबर है। नासा के मुताबिक, दुनिया में यह पहली बार हुआ है, जब धरती के बाद

किसी और ग्रह पर सांस लेने योग्य ऑक्सीजन बनाई गई है। इसे लेकर नासा ने कहा कि प्रारंभिक उत्पादन मामूली था। लेकिन यह प्रयोग दिखाता है कि प्राकृतिक संसाधनों के इस्तेमाल से दूसरे ग्रह के वातावरण का इस्तेमाल मनुष्यों द्वारा सीधे सांस लेने के लिए किया जा सकता है। नासा के अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी मिशन निदेशालय की निदेशक ट्रडी कोटर्स ने बताया कि नासा का उद्देश्य 2033 तक मंगल पर मानव पहुंचाने का है। वह इससे संबंधित आने वाली तमाम चुनौतियों से निपटने के लिए तैयारी कर रहा है। इसमें से एक चुनौती मंगल पर ऑक्सीजन का निर्माण करना होगा।

थाईलैंड में 3.30 लाख मोमबत्तियां जला कर दिया पृथ्वी बचाने का संदेश

बैंकॉक ■ एजेंसी

थाईलैंड का 51 साल पुराना धम्मकाया मंदिर गुरुवार रात बिजली के बजाय मोमबत्तियों की रोशनी से रोशन हो उठा। मौका था- अर्थ-डे यानी पृथ्वी दिवस का। इस मौके पर बौद्ध भिक्षुओं ने 78 एकड़ में फैले मंदिर परिसर में 3.30 लाख मोमबत्तियां जलाईं और पृथ्वी को सहेजने के संदेश दिया।इस दौरान बौद्ध भिक्षुओं ने मंदिर परिसर में दुनिया की सबसे बड़ी ज्वलंत छवि भी उकेरी। इसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। दूसरी ओर एक बार में 3.30 लाख मोमबत्तियां जलाने पर बौद्ध भिक्षु पर्यावरण प्रेमियों के निशाने पर आ गए। पर्यावरण प्रेमियों ने कहा- ह्यमोमबत्तियां जहरीले रसायनों से बनती हैं, जिनका धुआं हवा को प्रदूषित करता है। एक साथ इतनी मोमबत्तियां जलाने से पर्यावरण प्रदूषित हुआ। ऐसा करके बौद्ध भिक्षु क्या संदेश देना चाहते थे। वहीं सवाल उठने पर बौद्ध भिक्षुओं ने सफाई दी और कहा- ये मोमबत्तियां अर्थ डे के मौके पर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के लिए निश्चित समय के लिए जलाई गई थीं।

मदद...

पिछले 24 घंटे में देश में रिकॉर्ड 3,32,730 नए मामले सामने आए

चीन सहित भारत की मदद को कई देशों ने बढ़ाया हाथ

मॉस्को ■ एजेंसी

भारत में कोरोना वायरस महामारी लगातार भयावह रूप लेती जा रही है। पिछले 24 घंटे में देश में रिकॉर्ड 3,32,730 नए मामले सामने आए हैं। देश में स्वास्थ्य सेवाओं के ऊपर दबाव इतना ज्यादा बढ़ गया है कि अधिकतर अस्पताल अब नए मरीजों को भर्ती तक नहीं कर रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस समय देश में एक्टिव केस की कुल संख्या 24 लाख से भी अधिक है। भारत में लगातार खराब होती स्थिति के बीच दुनियाभर के कई देशों ने भारत की मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाया है। रूस ने भारत को रेमडेसिवीर और ऑक्सीजन की सप्लाई का ऑफर दिया है। लद्दाख को लेकर जारी तनाव के बीच चीन ने भी भारत को कोरोना से निपटने में सहायता की पेशकश की है। हालांकि, भारत की तरफ से अभी किसी भी देश को सहायता के लिए औपचारिक सहमति नहीं दी गई है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कोरोना से जूझ रहे भारतीयों के प्रति एकजुटता का संदेश दिया है ।

रूस ने रेमडेसिवीर और ऑक्सीजन का ऑफर दिया

भारत में कोविड संक्रमित मरीजों के इलाज में ऑक्सीजन की कमी को देखते हुए रूस ने मेडिकल ऑक्सीजन और रेमडेसिवीर की आपूर्ति करने की पेशकश की है। बताया जा रहा है कि अगले 15 दिनों में रूस से इसका आयात भी शुरू किया जा सकता है। कई शहरों में एंटी वायरल दवा रेमडेसिवीर की शॉर्टेज भी देखी जा रही है। मॉस्को ने कहा है कि वह प्रति सप्ताह 300,000-400,000 रेमेडिसविर इंजेक्शन की आपूर्ति कर सकता है, जिसे और भी बढ़ाया जा सकता है। जल्द ही जहाजों के जरिए ऑक्सीजन की आपूर्ति भी शुरू कर दी जाएगी।

चीन ने भी की मदद की पेशकश

लद्दाख में एलएसी पर सीमा विवाद के बीच चीन ने गुरुवार को भारत को आवश्यक समर्थन और सहायता उपलब्ध कराने की पेशकश की। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि कोविड-19 महामारी पूरी मानवता के लिए शत्रु है, जिससे निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय एकजुटता और पारस्परिक सहायता की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि चीन ने भारत में हाल ही में बिगड़े हालात और महामारी-रोधी चिकित्सा आपूर्ति की अस्थायी कमी का संज्ञान लिया है।

फ्रांस बोला- हर संभव मदद के लिए तैयारः फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भारत में कोरोना के कहर को लेकर संवेदना जताते हुए मदद की पेशकश की है। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि मैं कोविड-19 से जूढ रहे भारतीय लोगों को एकजुटता का संदेश देना चाहता हूं।

इजरायल ने भी भारत के प्रति जताई एकजुटता

इजरायल ने भी कोरोना से पीड़ित भारत के प्रति गहरी संवेदना जताई है। इजरायल के आधिकारिक ट्विटर हैंडल के ट्वीट में कहा गया है कि हम कोरोना के खिलाफ अपने अच्छे दोस्त भारत के साथ खड़े हैं। इस संक्रमण रूपी टनल के आखिरी में प्रकाश है। तबतक हम सुरक्षित रहें।

अमेरिकी सांसदों ने भी बाइडन प्रशासन से मदद को कहा

अमेरिका के मैसाचुसेट्स से डेमोक्रेटिक पार्टी के सीनेटर एड मार्के ने बाइडन प्रशासन से भारत की तत्काल मदद करने का अनुरोध किया। एड मार्के ने कहा कि अमेरिका में सभी लोगों के लिए आवश्यक वैक्सीन से भी ज्यादा मात्रा है,

सुभद्रा

महादेवी वर्मा

मेरे अतीत की चित्रशाला में बहिन सुभद्रा से मेरे सखय का चित्र, पहली कोटि में रखा जा सकता है, क्योंकि इतने वर्षों के उपरांत भी उसकी सब रंग-रेखाएँ अपनी सजीवता में स्पष्ट हैं। बहिन सुभद्रा का चित्र बनाना कुछ सहज नहीं है क्योंकि चित्र की साधारण जान पड़ने वाली प्रत्येक रेखा के लिए उनकी भावना की दीप्ति 'संचारिनी दीपशिखेव' बनकर उसे असाधारण कर देती है। एक-एक कर के देखने से कुछ भी विशेष नहीं कहा जाएगा, परंतु सबकी समग्रता में जो उद्दभासित होता था, उसे दृष्टि से अधिक हृदय ग्रहण करता था। वे अपने बचपन की एक घटना सुनाती थीं। कृष्ण और गोपियों की कथा सुनकर एक दिन बालिका सुभद्रा ने निश्चय किया कि वह गोपी बन कर ग्वालों के साथ कृष्ण को ढूंढने जाएगी। दूसरे दिन वे लकुटी लेकर गायों और ग्वालों के झुंड के साथ कीकर और बबूल से भरे जंगल में पहुंच गईं। गोधूली वेला में चरवाहे और गाएँ तो घर की ओर लौट गए, पर गोपी बनने की साधवाली बालिका कृष्ण को खोजती ही रह गई। उसके पैरों में कांटे चुभ गए, कंटीली झाडियों में कपड़े उलझ कर फट गए, प्यास से कंठ सूख गया और पसीने पर धूल की पर्त जम गई, पर वह धुनवाली बालिका लौटने को प्रस्तुत नहीं हुई। रात होते देख घरवालों ने उन्हें खोजना आरम्भ किया और ग्वालों से पूछते-पूछते अंधेरे करील-वन में उन्हें पाया। एक बार भाई लक्ष्मणसिंह जी ने मुझसे सुभद्राजी की स्नेहभरी शिकायत की, 'इन्होंने मुझसे कभी कुछ नहीं मांगा।' सुभद्रा जी ने अर्थ भरी हँसी में उत्तर दिया था, 'इन्होंने पहले ही दिन मुझसे कुछ मांगने का अधिकार मांग लिया था महादेवी! यह ऐसे ही होशियार हैं, मांगती तो वचन-भंग का दोष मेरे सर पड़ता, नहीं मांगा तो इनके अहंकार को ठेस लगती है।' घर और कारागार के बीच में जीवन का जो क्रम विवाह के साथ आरंभ हुआ था वह अंत तक चलता ही रहा। छोटे बच्चों को जेल के भीतर और बड़ों को बाहर रखकर वे अपने मन को कैसे संयत रख पाती थीं यह सोचकर विस्मय होता है। कारागार में जो संपन्न परिवारों की सत्याग्रही माताएँ थीं, उनके बच्चों के लिए बाहर से न जाने कितना मेवा-मिष्टान्न आता रहता था।

उनके मानसिक जगत में हीनता की किसी ग्रन्थि के लिए कभी अवकाश नहीं रहा, घर से बाहर बैठ कर वे कोमल और ओज भरे छंद लिखने वाले हाथों से गोबर के कंडे पाथती थीं। घर के भीतर तन्मयता से आँगन लीपती थीं, बर्तन मांजती थीं। आँगन लीपने की कला में मेरा भी कुछ प्रवेश था, अतः प्रायः हम दोनों प्रतियोगिता के लिए आंगन के भिन्न-भिन्न छोरों से लीपना आरंभ करते थे। लीपने में हमें अपने से बड़ा कोई विशेषज्ञ मध्यस्थ नहीं प्राप्त हो सका, अतः प्रतियोगिता का परिणाम सदा अघोषित ही रह गया पर आज मैं स्वीकार करती हूँ कि ऐसे कार्य में एकांत तन्मयता केवल उसी गृहिणी में संभव है जो अपने घर की धरती को समस्त हृदय से चाहती हो और सुभद्रा ऐसी ही गृहिणी थीं। उस छोटे से अधबने घर की छोटी-सी सीमा में उन्होंने क्या नहीं संगृहीत किया। छोटे-बड़े पेड़, रंग-बिरंगे फूलों के पौधों की क्यारियाँ, ॠतु के अनुसार तरकारियाँ, गाय, बच्छे आदि-आदि बड़ी गृहस्थी की सब सज्जा वहाँ विराट दृश्य के छोटे चित्र के समान उपस्थित थी। अपने इस आकार में छोटे साम्राज्य को उन्होंने अपनी ममता के जादु से इतना विशाल बना रखा था कि उसके द्वार पर न कोई अनाहूत रहा और न निराश लौटा। जिन संघर्षों के बीच से उन्हें मार्ग बनाना पड़ा वे किसी भी व्यक्ति को अनुदार और कटु बनाने में समर्थ थे। पर सुभद्रा के भीतर बैठी सृजनशीला नारी जानती थी कि काँटों का स्थान जब चरणों के नीचे रहता है तभी वे टूट कर दूसरों को बेधने की शक्ति खोते हैं। परीक्षाएं जब मनुष्य के मानसिक स्वास्थ्य को क्षत-विक्षत कर डालती हैं तब उनमें उत्तीर्ण होने-न-होने का कोई मूल्य नहीं रह जाता। नारी के हृदय में जो गम्भीर ममता-सजल वीर-भाव उत्पन्न होता है वह पुरुष के उग्र शौर्य से अधिक उदात्त और दिव्य रहता है। पुरुष अपने व्यक्तिगत या समूहगत रागद्वेष के लिए भी वीर धर्म अपना सकता है और अहंकार की तृप्ति-मात्र के लिए भी। पर नारी अपने सृजन की बाधाएँ दूर करने के लिए या अपनी कल्याणी सृष्टि की रक्षा के लिए ही रुद्र बनती है। अतः उसकी वीरता के समकक्ष रखने योग्य प्रेरणाएँ संसार के कोश में कम हैं। मातृशक्ति का दिव्य रक्षक उद्धारक रूप होने के कारण ही भीमाकृति चंडी, वत्सला अम्बा भी है, जो हिंसात्मक पाशविक शक्तियों को चरणों के नीचे दबाकर अपनी सृष्टि के मंगल की साधना करती है।

सुभद्रा में जो महिमामयी मां थी, उसकी वीरता का उत्स भी वात्सल्य ही कहा जा सकता है। न उनका जीवन किसी क्षणिक उत्तेजना से संचालित हुआ न उनकी ओज भरी कविता वीर-रस की घिसी-पिटी लीक पर चली। उनके जीवन में जो एक निरन्तर निखरता हुआ कर्म का तारतम्य है वह ऐसी अंतरव्यापिनी निष्ठा से जुड़ा हुआ है जो क्षणिक उत्तेजना का दान नहीं मानी जा सकती। इसी से जहाँ दूसरों को यात्रा का अंत दिखाई दिया वहीं उन्हें नई मंजिल का बोध हुआ। थक कर बैठने वाला अपने न चलने की सफाई खोजते-खोजते लक्ष्य पा लेने की कल्पना कर सकता है, पर चलने वाले को इसका अवकाश कहाँ!

जीवन के प्रति ममता भरा विश्वास ही उनके काव्य का प्राण है :

सुख भरे सुनहले बादल
रहते हैं मुझको घेरे।
विश्वास प्रेम साहस हैं
जीवन के साथी मेरे।

मधुमक्षिका जैसे कमल से लेकर भटकटैया तक और रसाल से लेकर आक तक, सब-मधुरतिक्त एकत्र करक उसे अपनी शक्ति से एक मधु बनाकर लौटाती है, बहुत कुछ वैसा ही आदान-सम्प्रदान सुभद्रा जी का था। सभी कोमल-कठिन सह्य-असह्य अनुभवों का परिपाक दूसरों के लिए एक ही होता था। इसका यह तात्पर्य नहीं है कि उनमें विवेचन की तीक्ष्ण दृष्टि का अभाव था। उनकी कहानियां प्रमाणित करती हैं कि उन्होंने जीवन और समाज की अनेक समस्यायों पर विचार किया और कभी अपने निष्कर्ष के साथ और कभी दूसरों के निष्कर्ष के लिए उन्हें बड़े चमत्कारिक ढंग से उपस्थित किया। भाषा, भाव छंद की दृष्टि से नए, 'झांसी की रानी' जैसे वीर-गीत तथा सरल स्पष्टता में मधुर प्रगीत मुक्त, यथार्थवादिनी मार्मिक कहानियां आदि उनकी मौलिक प्रतिभा के ही सृजन हैं।

ऐसी प्रतिभा व्यावहारिक जीवन को अछूता छोड़ देती तो आश्चर्य की बात होती। पत्नी की अनुगामिनी, अर्धांगिनी आदि विशेषतायों को अस्वीकार कर उन्होंने भाई लक्ष्मणसिंह जी को पत्नी के रूप में ऐसा अभिन्न मित्र दिया जिसकी बुद्धि और शक्ति पर निर्भर रह कर अनुगमन किया जा सके।

अजगर की कुंडली के समान, स्त्री के व्यक्तित्व को कस कर चर-चर कर देनेवाले अनेक सामाजिक बंधनों को तोड़ फेंकने में उनका जो प्रयास लगा होगा, उसका मूल्यांकन आज संभव नहीं है।

सातवीं और पाँचवीं कक्षा की विद्यार्थिनियों के सख्य को सुभद्रा जी के सरल स्नेह ने ऐसी अमिट लक्ष्मण-रेखा से घेर कर सुरक्षित रखा कि समय उस पर कोई रेखा नहीं खींच सका। अपने भाई-बहिनों में सबसे बड़ी होने के कारण मैं अनायास ही सबकी देख-रेख और चिंता की अधिकारिणी बन गई थी। परिवार में जो मुझसे बड़े थे उन्होंने भी मुझे ब्रह्मसूत्र की मोटी पोथी में आँख गड़ाए देखकर अपनी चिंता की परिधि से बाहर समझ लिया था। पर केवल सुभद्रा पर न मेरी मोटी पोथियों का प्रभाव पड़ा न मेरी समझदारी का। अपने व्यक्तिगत संबंधों में हम कभी कुतूहली बाल-भाव से मुक्त नहीं हो सके। सुभद्रा के मेरे घर आने पर भक्तिन तक मुझ पर रौब जमाने लगती थी। क्लास में पहुंच कर वह उनके आगमन की सूचना इतने ऊँचे स्वर में इस प्रकार देती कि मेरी स्थिति ही विचित्र हो जाती 'ऊ सहोदरा विचरिअऊ तो इनका देखै बरे आइ के अकेली सूने घर माँ बैठी हैं। ऐसे भी अवसर आ जाते थे जब वे किसी कवि-सम्मेलन में आते-जाते प्रयाग उतर नहीं पाती थीं और मुझे स्टेशन जाकर ही उनसे मिलना पड़ता था। ऐसी कुछ क्षणों की भेंट में भी एक दृश्य की अनेक आवृत्तियां होती ही रहती थीं। वे अपने थैले से दो चमकीली चूड़ियाँ निकालकर हँसती हुई पूछतीं, 'पसंद हैं ? मैंने दो तुम्हारे लिए, दो अपने लिए खरीदी थीं। तुम पहनने में तोड़ डालोगी। लायो अपना हाथ, मैं पहना देती हूँ।' पहन लेने पर वे बच्चों के समान प्रसन्न हो उठतीं। हम दोनों जब साथ रहती थीं तब बात में एक मिनिट और हँसी में पांच मिनट का अनुपात रहता था। इसी से प्रायः किसी सभा-समिति में जाने के पहले न हँसने का निश्चय करना पड़ता था। एक दूसरे की ओर बिना देखे गंभीर भाव से बैठे रहने की प्रतिज्ञा करके भी वहाँ पहुंचते ही एक-न-एक वस्तु या दृश्य सुभद्रा के कुतूहली मन को आकर्षित कर लेता और मुझे दिखाने के लिए वे चिकोटी तक काटने से नहीं चूकतीं। तब हमारी शोभा-सदस्यता की जो स्थिति हो जाती थी, उसका अनुमान सहज है।

अनेक कवि-सम्मेलनों में हमने साथ भाग लिया था, पर जिस दिन मैंने अपने न जाने का निश्चय और उसका औचित्य उन्हें बता दिया उस दिन से अंत तक कभी उन्होंने मेरे निश्चय के विरुद्ध कोई आग्रह नहीं किया। आर्थिक स्थितियाँ उन्हें ऐसे निमंत्रण स्वीकार करने के लिए विवश कर देती थीं, परंतु मेरा प्रश्न उठते ही वे कह देती थीं, मैं तो विवशता से जाती हूं, पर महादेवी नहीं जाएगी, नहीं जाएगी।' साहित्य-जगत में आज जिस सीमा तक व्यक्तिगत स्पर्द्धा ईर्ष्या-द्वेष है, उस सीमा तक तब नहीं था, यह सत्य है। पर एक दूसरे के साहित्य-चरित्र-स्वभाव सम्बंधी निंदा-पुराण तो सब युगों में नानी की कथा के समान लोकप्रियता पा लेता है। अपने किसी भी परिचित-अपरिचित साहित्य-साथी की त्रुटियों के प्रति सहिष्णु रहना और उसके गुणों के मूल्यांकन में उदारता से काम लेना सुभद्रा जी की निजी विशेषता थी। अपने को बड़ा बनाने के लिए दूसरों को छोटा प्रमाणित करने की दुर्बलता उनमें असंभव थी उस दिन जब उनके पार्थिव अवशेष को त्रिवेणी ने अपने श्यामल-उज्ज्वल अंचल में समेट लिया तब नीलम-फलक पर श्वेत चन्दन से बने उस चित्र की रेखाओं में बहुत वर्षों पहले देखा एक किशोर-मुख मुस्कराता जान पड़ा। यहीं कहीं पर बिखर गई वह छिन्न विजय माला सी।

रोचक तथ्य

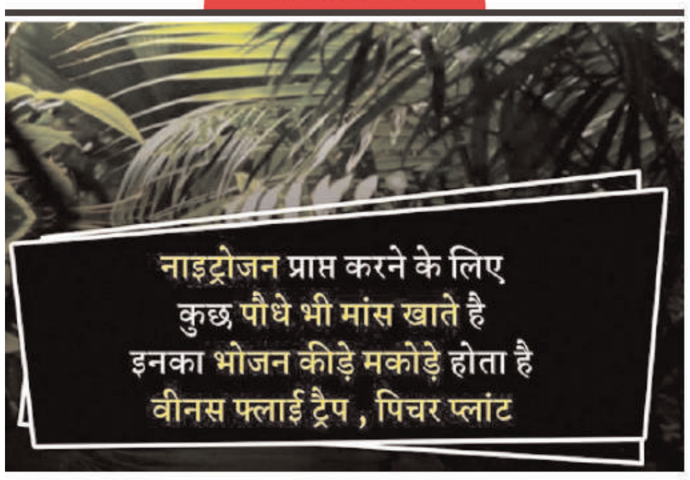

कोरोना टाइम में जिंदगी सांप सीढ़ी का खेल, व्हाट्सएप्प गुरु बने जी का जंजाल

जिंदगी सांप सीढ़ी का खेल हो चुकी है। कोरोना इस खेल में मुट्ठी में बंद पासा है जो हर इंसान के हाथों में बंद है। कितने नम्बर पासे में आ रहे हैं उससे ही निर्धारित हो रहा है कि आप जिन्दगी में आत्मविश्वास की सीढ़ियां चढ़ोगे या नकारात्मकता का सांप आपको बार-बार नीचे भय के साथ निराशा के अन्धकार में धकेलेगा। कई बार तो निन्यान्वे पर आ कर भी एक नकारात्मकता का सांप आपको फिर से जीवन की ए बी सी डी शुरू करने को मजबूर कर सकता है। पवन मित्तल और परिवार कोरोना से पीड़ित हुआ। इतने दिनों उन्होंने अपने फोन को अपने से दूर रखा। व्यवहारिक होने के कारण उनके चाहने वालों की संख्या भी बड़ी तादाद में है।वे सदैव सबकी मदद करने तत्पर रहा करते। पर फिर उन्होंने फोन क्यों बंद किया हुआ था बीमारी के दौरान? न वे सोशल मिडिया पर सक्रिय रहे, न व्हाट्सअप पर उपलब्ध। पेशे से प्रोफेसर होने से उनके मित्र, विद्यार्थी भी लगातार संपर्क में रहते हैं। तो फिर ऐसा क्यों करना पड़ा उन्हें? हो सकता है ये सारे विश्वदर्शन उपकरण हमारे लिए लाभदायक और प्रेरणात्मक हों। पर उनके लिए जी का जंजाल बन गए। कैसे? जैसे ही वे बुखार से ग्रस्त हुए सामान्य रूप से खुद ही आयुर्वेदाचार्य बन घरेलू इलाज शुरू कर लिया। रोग बढ़ा तब उन्होंने चिकित्सा सहायता ली। हाहाकार और त्रास से निकलीं चीखें उनके स्वास्थ्य पर उल्टा असर डाल रहीं थीं। लोग थे कि मानते ही नहीं। लगातार जलती, जलने के लिए इंतजार में पड़ीं मैय्यतें, रोते बिलखते परिजन, चिकित्सा, दवाओं के अभाव में दम तोड़ते लोग और हर दूसरी पोस्ट पर हर उम्र के लोगों के दिवंगत होने की खबरों के साथ खुद की हर सांस का संघर्ष और पत्नी बच्चों की चिंता। उनके लिए सब असहनीय था।

उन्हें इस बात का भी घोर आश्चर्य है कि ये सभी उनके हितैषी और परिचित हैं। पढ़े लिखे समझदार लोग।वे ही ये सब किये जा रहे थे बार बार लगातार। पवन कहते हैं- आप जब भी किसी रोगी से बात करें तो आपका दृष्टिकोण जीवनोन्मुखी होना चाहिए न कि निराशा और दया से भरा। पर आपकी सो कॉल्ड सिम्पेथी और एडवाइस उसे भ्रम और निराशा के गहरे अंधेरे में धकेल देती है।

जैसे ही पवन सम्हले उन्होंने अपने उन प्रियजनों को खुद फोन किये जिनसे बातें करने के बाद उन्हें अच्छा महसूस होता। उसमें भी वे पहले उनसे बात करने की अनुमति लेते क्योंकि आज की परिस्थिति में कोई भी इतना समय किसी के लिए दे पाए या अनुकूल हो ये समझना जरुरी है। उन पर भी तो बीत चुका है ये फोन ज्ञान विशेषज्ञों का कहर। इस चक्कर में वे उनके भी फोन नहीं ले पाए जो सच में उनके शुभेच्छु रहे।हम पढ़-लिख तो गए हैं पर आज भी न जाने क्यों भाव भरे संक्षिप्त संवाद का शऊर-सलीका नदारद ही है। कोरोना की लंका आग लगाने के लिए आपके जिन्दादिली और दिलेरी के मीठे बोलों की तीली भी तो जरुरी है।

कविता

एक था मन

एक था मन
कभी-कभी खुश और उदास था मन
और कभी दूर या पास था मन
मेरी तुम्हारी बात था मन।
नये-नये गीतों का
स्मृतियों का, फूलों का
हाशिये पर लिखी अनगिनत भूलों का
साक्षी था मन
रामजी का सिया का वनवास था मन।
एक था मन।
कभी-कभी जुगनू की कौंध था मन
हाथों की मेंहदी की महक था मन
नन्हीं-सी चिड़िया की चहक था मन।
कहा-अनकहा-सा
सुना-अनसुना-सा
पीले और लाल
चंपई पराग-सा
नीम की कोंपल-सा
गुलमुहरी आग-सा
नया था मन।
अधबोला कोई संवाद था मन
एक था मन।

आखिर कौन हैं वे लोग जो लाइब्रेरी जला रहे हैं

पिछले दिनों मैसूर में एक लाइब्रेरी को जलाने की खबर आई। इसे एक बुजुर्ग सफाई कर्मचारी लंबे अरसे से चला रहे थे, इस काम के लिए सम्मानित भी थे, मगर कुछ लोगों को पता नहीं लाइब्रेरी से क्या दिक्कत थी। एक रात उन्होंने इसे जला दिया। इससे पहले पटना की खुदाबख्श लाइब्रेरी पर सरकार की नजर टेढ़ी होने की भी खबर मिली। सात साल पहले, 2013 में जर्मनी में एक स्टडी हुई- ज्ञानवान शहर के विकास में सार्वजनिक पुस्तकालयों की भूमिका। इसमें कुल 31 शहरों को चुना गया, जिनमें एक भी भारत का नहीं था। यह दिखाता है कि अपने यहां लाइब्रेरी या ज्ञान का क्या महत्व है। विश्व गुरु बनने की चाहत रखने वाले देश में लाइब्रेरी प्रायॉरिटी में नहीं है। इसका सबसे ताजा उदाहरण है पटना की खुदाबख्श लाइब्रेरी। पिछले दिनों बिहार सरकार ने इसके एक हिस्से को गिराने का फैसला लिया। इसका विरोध हुआ, पुलिस के एक रिटायर्ड अधिकारी ने अपना पुलिस मैडल तक वापस कर डाला। विरोध गहराया, तब जाकर सरकार अपने फैसले पर दोबारा सोचने को तैयार हुई।

बिना पढ़े ज्ञान मिलना मुश्किल है या बिना ज्ञान पाए कोई व्यक्ति या देश किसी का भी गुरु नहीं बन सकता। ज्ञान का अकूत भंडार हमारी लाइब्रेरियों में ही है। ये सकारात्मक और प्रगतिशील चिंतन को प्रोत्साहित करती हैं, साथ ही लोकल नॉलेज को लोकल लैंग्वेज में भी संजोती है। लाइब्रेरी के होने की हजार वाजिब वजहें हैं और न होने की एक भी वजह वाजिब नहीं ठहराई जा सकती। मगर अपने यहां इनका हाल क्या है? 2011 की जनगणना बताती है कि देश भर में 75 हजार के करीब पब्लिक लाइब्रेरियां हैं। इनमें लगभग 70 हजार ग्रामीण क्षेत्रों में हैं, बाकी शहरों में। इस हिसाब से शहरों में प्रत्येक 80 हजार लोगों पर एक लाइब्रेरी है। इस बात का भी ठीक-ठीक कोई आंकड़ा नहीं है कि इनमें से चल कितनी रही हैं। वहीं अमेरिका में लगभग 95 प्रतिशत आबादी की लाइब्रेरी तक पहुंच है। सार्वजनिक पुस्तकालय के संदर्भ में प्रति व्यक्ति खर्च भारत में महज 7 पैसा है, वहीं फिनलैंड में 30 यूरो और अमेरिका में 35.96 डॉलर। इसके अलावा भारत में पुस्तकालयों को लेकर क्षेत्रीय विषमता भी है। 20 करोड़ से अधिक जनसंख्या वाले उत्तर प्रदेश में सौ से भी कम सार्वजनिक पुस्तकालय हैं, तो लगभग 6.7 करोड़ जनसंख्या वाले तमिलनाडु में चार हजार से भी अधिक लाइब्रेरियां हैं।

आमतौर पर स्थानीय निकाय लाइब्रेरी चलाने के लिए पैसों का इंतजाम करते हैं, लेकिन साउथ के कुछ राज्यों को छोड़कर बाकी राज्यों में इसके लिए भी कोई स्थायी व्यवस्था नहीं बनी। केंद्र सरकार चाहती तो लाइब्रेरियों को बचा सकती थी, मगर उसकी ओर से भी गिनती के ही प्रयास हुए हैं। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय देश के 6 प्रमुख पुस्तकालयों का संचालन करता है, जिनमें पटना की खुदाबख्श लाइब्रेरी भी शामिल है। बाकी सारी लाइब्रेरियां राज्य सरकारें ही चलाती हैं। 2014 में पुस्तकालयों की स्थिति बेहतर करने हेतु राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन शुरू किया गया था, इसके भी रिजल्ट अभी तक नहीं आए हैं। यह विडंबना ही है कि सबसे जरूरी मुद्दे पर देश और समाज का ध्यान सबसे कम है।

संक्षेप में...

शास्त्री ने 'स्टूडेंट' पडिकल और 'मास्टर' कोहली को सराहा

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच रवि शास्त्री ने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 10 विकेट से जीत में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के कप्तान विराट कोहली और सलामी बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल के प्रदर्शन की सराहना की है। शास्त्री ने ट्विटर पर लिखा, स्टूडेंट और मास्टर काम पर। शानदार ध्श्य। ये साउथपावर आसान दिखते हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने देवदत्त पडिकल (नाबाद 101) और कप्तान विराट कोहली (नाबाद 72) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर गुरुवार को यहां के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए आईपीएल के 14वें सीजन के 16वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को 10 विकेट से हरा दिया। बेंगलोर के लिए पडिकल ने 52 गेंदों पर 11 चौके और छह छक्के लगाए। उन्होंन आईपीएल में अपना पहला शतक जमाया। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 181 रनों की अविजित साझेदारी करके टीम को 16.3 ओवर में 10 विकेट से जीत दिला दी।

फुटबाल : बिना दर्शकों के खेला जाएगा जर्मन कप

बर्लिन। जर्मनी फुटबाल महासंघ (डीएफबी) ने पुष्टि की है कि उसका घरेलू कप जर्मन कप 13 मई को बर्लिन में बिना दर्शकों के ही खेला जाएगा। डीबीएफ ने ट्विटर पर इसकी जानकारी दी। कोरोना वायरस महामारी के कारण बिना दर्शको के होने वाला यह फाइनल मैच ओलंपिक स्टेडियम में खेला जाएगा। डीबीएफ ने कहा, बर्लिन में मौजूदा मान्य नियमों के कारण, 9 मई तक दर्शकों के प्रवेश के लिए आवेदन संभव नहीं है। जर्मनी के राष्ट्रपति फ्रैंक-वाल्टर स्टाइनमीयर ने गुरुवार को कानून में राष्ट्रीय आपातकालीन पर हस्ताक्षर किया, जो कि संघीय सरकार को कोरोनावायरस संक्रमण को रोकने के लिए अतिरिक्त शक्तियां प्रदान करती है। जर्मनी इस समय संक्रमण की तीसरी लहर का सामना कर रहा है। महामारी के बाद से जर्मनी में सभी फुटबॉल मैच बिना दर्शकों के ही खेले गए हैं।

हमें धोनी की तरह शांत रहना होगा : नौका चालक विष्णु सरवनन

नई दिल्ली। टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके भारतीय नौका चालक विष्णु सरवनन ने कहा है कि आगामी टोक्यो ओलंपिक के दौरान उन्हें पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की तरह शांत रहना होगा। सरवनन (लेजर स्टैंडर्ड), नेत्रा (लेजर रेडियल) और विष्णु गणपति और वरुण ठक्कर (49अर स्किफ) इस महीने के शुरू में ओमान में हुए एशियाई क्वालीफायर से ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहे हैं। सरवनन ने एक वर्चुअल मीडिया सम्मेलन में कहा कि शीर्ष 50 में समाप्त करने पर उन्हें खुशी होगी। उन्होंने कहा, कोई दबाव नहीं होगा क्योंकि हम जानते हैं कि हम वहां तक नहीं पहुंचे हैं। हम युवा हैं और अभी सीखने की काफी ज्यादा गुंजाइश है। पूरे देश की काफी उम्मीदें हम पर लगी होंगी, लेकिन हमें धोनी की तरह कूल रहकर अपना काम करना होगा। नेत्रा ने कहा कि ओलंपिक खेल सीखने के लिए बहुत अच्छा होगा। उन्होंने कहा, हम बिना ज्यादा उम्मीदों के खेलों में जाएंगे। हम देखेंगे कि विश्व स्तर में हम कहां होते हैं। यह हमारे लिए सीखने की अच्छी प्रक्रिया होगी।

आईपीएल-14 : मुंबई को 9 विकेट से हराकर पांचवें नंबर पर पहुंची पंजाब

एजेंसी ■ चेन्नई

पंजाब किंग्स ने अपने गेंदबाजों की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत आईपीएल-14 में शुक्रवार को यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए 17वें मुकाबले में मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस को नौ विकेट से हरा दिया। पंजाब ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए मुंबई को छह विकेट पर 131 रनों पर रोक दिया और फिर 17.4 ओवरों में एक विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। पंजाब की इस सीजन में पांच मैचों में यह दूसरी जीत है और अब उसके चार अंक हो गए हैं और वह तालिका में पांचवें नंबर पर पहुंच गई है। मुंबई को पांच मैचों में तीसरी हार झेलनी पड़ी है और वह चार अंकों के साथ तालिका में चौथे नंबर पर है। मुंबई से मिले 132 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब को कप्तान लोकेश राहुल (नाबाद 60) और मयंक अग्रवाल (25) ने पहले विकेट के लिए 45 गेंदों पर 53 रनों की साझेदारी की। इसके बाद राहुल चाहर ने मयंक को आउट करके इस साझदोरी को तोड़ा। मयंक ने 20 गेंदों पर चार चौके और एक छक्का लगाया। मयंक के आउट होने के बाद राहुल ने क्रिस गेल (नाबाद 43) के साथ दूसरे विकेट के लिए 65 गेंदों पर 79 रनों की अविजित साझेदारी करके टीम को 14 गेंद शेष रहते पंजाब को नौ विकेट से जीत दिला दी। राहुल ने 52 गेंदों पर तीन चौके और तीन छक्के जबकि गेल ने 35 गेंदों पर पांच चौके और दो छक्के लगाए। मुंबई के लिए राहुल चाहर ने एक विकेट लिया। इससे पहले, पंजाब ने मुंबई इंडियंस को निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 131 रनों पर रोक दिया। मुंबई की शुरूआत खराब रही और टीम ने 26 रन तक अपने दो विकेट गंवा दिए। इनमें क्विंटन डिकॉक (3) और ईशान किशन (6) के विकेट शामिल हैं। हालांकि इसके बाद कप्तान रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव ने तीसरे विकेट के लिए 56 गेंदों पर 79 रनों की साझेदारी करके टीम को मजबूती दी। सूर्यकुमार ने 27 गेंदों पर तीन चौके और एक छक्के की मदद से 33 रन बनाए। वहीं, रोहित ने 52 गेंदों पर पांच चौके और दो छक्के की मदद से 63 रनों की पारी खेली। इन दोनों बल्लेबाज के आउटड होने के बाद मुंबई की टीम धीमी पड़ गई और अंतिम चार ओवर में उसने केवल 26 रन ही बनाए और चार विकेट गंवाए। कायरन पोलार्ड ने 12 गेंदों पर एक छक्के के सहारे नाबाद 16 रन बनाए। हार्दिक पांडया ने एक और क्रुणाल पांड्या ने तीन रन बनाए। पंजाब किंग्स की ओर से इस सीजन में अपना पहला मैच खेल रहे रवि बिश्नोई और मोहम्मद शमी ने दो-दो, जबकि दीपक हुड्डा और अर्शदीप सिंह ने एक-एक विकेट लिए।

पंजाब से हार पर बोले रोहित

ओस ने मैच बदल दिया

आईपीएल-14 में शुक्रवार को यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए 17वें मुकाबले में पंजाब किंग्स के हाथों नौ विकेट से हार झेलने के बाद मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने इस हार के लिए ओस को जिम्मेदार बताया है। पंजाब ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए मुंबई को छह विकेट पर 131 रनों पर रोक दिया और फिर 17.4 ओवरों में एक विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। रोहित ने मैच के बाद कहा, "यह बहुत मुश्किल विकेट था, हमने कोशिश की कि इस विकेट पर सामंजस्य बैठाया जाए, हमने पूरी कोशिश की, लेकिन दूसरी पारी में ओस ने अहम योगदान दिया, जिसने मैच को पूरी तरह से बदल कर रख दिया। पंजाब की इस सीजन में पांच मैचों में यह दूसरी जीत है और अब उसके चार अंक हो गए हैं और वह तालिका में पांचवें नंबर पर पहुंच गई है। मुंबई को पांच मैचों में तीसरी हार झेलनी पड़ी है और वह चार अंकों के साथ तालिका में चौथे नंबर पर है।

कुश्ती : ओलंपिक क्वालीफायर के लिए संदीप की जगह लेंगे अमित

नई दिल्ली। अगले महीने सोफिया में होने वाले विश्व ओलंपिक क्वालीफाइंग टूनार्मेंट के लिए संदीप सिंह मान (74 किग्रा) की जगह पूर्व एशियाई चैंपियन अमित धनखड़ को शामिल किया गया है। धनखड़, इस महीने की शुरूआत में नेशनल ट्रायल्स में दूसरे नंबर पर रहे थे और अब वह छह से नौ मई तक सोफिया में होने वाले विश्व ओलंपिक क्वालीफायर में मान की जगह लेंगे। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के सहायक सचिव विनोद तोमर ने कहा, 21 वर्षीय मान से हमें काफी उम्मीदें हैं, जिन्होंने एशियाई प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए राष्ट्रीय ट्रायल जीता था, लेकिन वह उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाए। चूंकि ट्रायल का एक और दौर आयोजित करने का समय नहीं है, इसलिए हमने धनखड़ को उस क्वॉलिफायर के लिए चुना, जो टोक्यो ओलंपिक के लिए कट पाने का आखिरी टूनार्मेंट है। डब्ल्यूएफआई ने पुरुषों के 97 किग्रा और 125 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पधाओं में कोई बदलाव नहीं किया है। 125 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा में सुमित मलिक उतरेंगे। कुश्ती की संस्था ने ग्रीको-रोमन श्रेणी में दो बदलाव किए हैं। सचिन राणा 60 किग्रा में ज्ञानेंद्र की जगह लेंगे जबकि दीपांशु 97 किग्रा में प्रतिस्पर्धा करेंगे। अल्माटी में 97 किलोग्राम में रवि के औसत प्रदर्शन ने उन्हें टीम में जगह दी। आशू (67 किग्रा), गुरप्रीत सिंह (77 किग्रा), सुनील कुमार (87 किग्रा), दीपांशु (97 किग्रा) और नवीन कुमार (130 किग्रा) राष्ट्रीय ग्रीको-रोमन टीम के अन्य सदस्य हैं। सीमा (50 किग्रा), निशा (68 किग्रा) और पूजा (76 किग्रा) महिला वर्ग में तीन मुख्य पहलवान हैं।

हैदराबाद एफसी में ही बने रहेंगे गोलकीपर लक्ष्मीकांत कट्टीमनी

■ हैदराबाद

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम हैदराबाद एफसी ने शुक्रवार को क्लब के अनुभवी गोलकीपर लक्ष्मीकांत कट्टीमनी के साथ करार में एक साल के विस्तार की घोषणा की। नए करार के मुताबिक गोवा में जन्मे कट्टीमनी ने 2021-22 सीजन के अंत तक क्लब के साथ बने रहेंगे। कट्टीमनी ने करार में विस्तार के बाद कहा, मैंने अब क्लब के साथ दो साल बिताए हैं और मैं वास्तव में यहां बहुत खुश हूं। मेरे लिए यह एक आसान निर्णय था। 31 वर्षीय अनुभवी गोलकीपर हैदराबाद एफसी के साथ शुरूआत से ही हैं और हाल ही में समाप्त हुए आईएसएल के सातवें सीजन में कोच मनोलो मार्क्वेज के लिए पसंदीदा गोलकीपर थे। 59 आईएसएल मैचों के साथ, कट्टीमनी हैदराबाद एफसी टीम के एक महत्वपूर्ण सदस्य थे जो पिछले सीजन में लीग में 5वें स्थान पर रहा था। कोच मानोलो का मानना है कि आगामी सत्र में उनका अनुभव क्लब के लिए काफई महत्वपूर्ण होगा। 2020-21 के आईएसएल सीजन में, कट्टीमनी ने 14 मैचों में छह क्लीन शीट रखा था।

विराट ने 50 रन बनाने के बाद स्टैंड्स की ओर फ्लाइंग किस दिया

सीजन की पहली फिफ्टी फैमिली के नाम

■चेन्नई

विराट कोहली ने गुरुवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में सीजन की पहली और आईपीएल करियर की 40वीं फिफ्टी लगाई। फिफ्टी लगाने के बाद वे इमोशनल हो गए। विराट ने यह फिफ्टी बेटी वामिका के नाम की। साथ ही उन्होंने पत्नी अनुष्का की ओर इशारा करते हुए उन्हें फ्लाइंग किस भी दिया। विराट का यह वीडियो आईपीएल ने खुद शेयर किया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो गया है।

विराट ने फिफ्टी पूरी करने के बाद डग आउट और स्टेडियम में बैठे फैन्स की तरफ अपना बैट दिखाया। **RCB** सहित कई टीमों ने खिलाड़ियों को अपने परिवार के साथ यात्रा करने की इजाजत दी है। इसमें विराट कोहली और अनुष्का शर्मा भी शामिल हैं।

वामिका के जन्म के बाद विराट का आईपीएल में पहला सीजन है। वे इसी साल जनवरी में पिता बने थे। इस वजह से विराट ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 4 टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मैच के बाद भारत लौट आए थे।

इस मैच में **RCB** ने राजस्थान रॉयल्स को 10 विकेट से हरा दिया। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 177 रन बनाए। इसके जवाब में बेंगलुरु ने 16.3 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए 181 रन बनाकर मैच जीत लिया। कप्तान विराट कोहली 47 बॉल पर 72 रन बनाकर नॉटआउट रहे।

विराट के आईपीएल में 6000 रन पूरे

विराट ने आईपीएल में 6000 रन पूरे किए। साथ ही उन्होंने लीग में 40वीं फिफ्टी भी लगाई। 51 रन बनाते ही विराट ऐसा करने वाले लीग के पहले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने अब तक 196 मैच में 6021 रन बनाए हैं।

पडिक्कल ने आईपीएल में पहली सेंचुरी लगाई

देवदत्त पडिक्कल ने आईपीएल में पहली सेंचुरी लगाई है। वे 52 बॉल पर 101 रन बनाकर नॉटआउट रहे। पडिक्कल आईपीएल शुरू होने से पहले कोरोना संक्रमित हो गए थे। जिसकी वजह से वे पहला मैच नहीं खेल पाए। इस सीजन के अब तक खेले तीन मैचों में 68.50 की औसत से 137 रन बना चुके हैं।

अक्षर पटेल टीम के साथ जुड़े

■ मुंबई

दिल्ली कैपिटल्स के ऑलराउंडर अक्षर पटेल टीम के साथ जुड़ गए हैं। दिल्ली कैपिटल्स की ओर से सोशल मीडिया पर पटेल के टीम से जुड़ने का वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा गया कि, "बापू (अक्षर पटेल) की दिल्ली कैपिटल्स शिविर में वापसी से सभी के चेहरों पर मुस्कान आ गई। पटेल ने वीडियो में कहा, "आदमी देख के ही तो मुझे मजा आ रहा है। पटेल आईपीएल शुरू होने से पहले कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। वे टीम के साथ मुंबई में 28 मार्च को जुड़े थे, लेकिन क्वारैंटाइन के दौरान हुए टेस्ट में उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। दिल्ली कैपिटल्स ने हाल ही में अक्षर पटेल की जगह पर कोरोना सब्स्टीट्यूट के तौर पर शम्स मुलानी को टीम के साथ जोड़ा था। शम्स आईपीएल के कोरोना नियमों के तहत टीम के साथ तब तक रह सकते थे, जब तक अक्षर पटेल की वापसी न हो।

आईपीएल भी कोरोना की चपेट में, अब तक 5 संक्रमित हुए: आईपीएल के 14वें सीजन शुरू होने से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज नीतीश राणा, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल, डेनियल सैम्स और दिल्ली कैपिटल्स के अक्षर पटेल और दिल्ली कैपिटल्स के ही बॉलर एनरिक नॉर्खिया कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। हालांकि सभी खिलाड़ी कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद टीम के साथ जुड़ चुके हैं। इनके अलावा मुंबई इंडियंस के कंसलटेंट किरण मोरे भी कोरोना की चपेट में आ चुके हैं।

यॉर्कर एक्सपर्ट टी नटराजन घुटने की चोट के कारण पूरे आईपीएल से बाहर

■चेन्नई

इंडियन प्रीमियर लीग में 4 में से 3 मैच गंवा चुकी सनराइजर्स हैदराबाद की टीम को बड़ा झटका लगा है। यॉर्कर फेंकने में माहिर टीम के लेफ्ट आर्म फास्ट बॉलर टी. नटराजन घुटने की चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। नटराजन को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर ही घुटने की चोट लगी थी। आईपीएल के दौरान चोट बढ़ गई है। फ्रेंचाइजी ने अब तक नटराजन के रिप्लेसमेंट की घोषणा नहीं की है।

वार्नर ने कही थी चोटिल होने की बात: सनराइजर्स हैदराबाद ने गुरुवार को इस सीजन की पहली जीत हासिल की थी। मैच के बाद टीम के कप्तान डेविड वार्नर ने बताया था कि नटराजन घुटने की चोट से परेशान हैं और उन्हें स्कैन कराने की जरूरत होगी। हालांकि, स्कैन के लिए नटराजन को बायो बबल से बाहर आना होता और सात दिन क्वारैंटाइन रहने के बाद ही दोबारा एंट्री मिलती। अब सूचना आई है कि तमिलनाडु के रहने वाले फास्ट बॉलर पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं।

चोट के कारण इंग्लैंड सीरीज से भी रहे थे बाहर: नटराजन ने 2020 आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया था। इसी के बल पर उन्हें ऑस्ट्रेलिया गई भारतीय टीम में जगह मिली थी। घुटने की चोट भी उन्हें ऑस्ट्रेलिया में ही लगी। हालांकि, तब **BCCI** ने यह सूचना सार्वजनिक नहीं की थी। माना जा रहा है कि इसी चोट के कारण नटराजन इंग्लैंड के खिलाफ हुई टी-20 सीरीज का हिस्सा नहीं बन पाए थे।

नटराजन का विकल्प ढूंढना मुश्किल: नटराजन ने हाल-फिलहाल खुद को देश के सबसे अच्छे डेथ ओवर्स बॉलर में से एक साबित किया था। इस कारण उनका विकल्प ढूंढना फिलहाल सनराइजर्स के लिए मुश्किल होगा। हालांकि, टीम के पास भुवनेश्वर कुमार, खलील अहमद, सिद्धार्थ कौल, संदीप शर्मा, बासिल थंपी और जेसन होल्डर जैसे फास्ट बॉलर्स हैं। लेकिन, इनमें से कोई भी यॉर्कर डालने के मामले में नटराजन के आस-पास भी नहीं हैं।

सेरी-ए : रोमा ने एटलांटा को 1-1 से ड्रॉ पर रोका

एजेंसी ■ रोम

इटली के क्लब रोमा ने यहां सेरी-ए लीग में खेले गए मुकाबले में एटलांटा एफसी को 1-1 से ड्रॉ पर रोककर उसे अंक बांटने के लिए मजबूर कर दिया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, एटलांटा ने गुरुवार रात खेले गए इस मुकाबले में 26वें मिनट में ही रुसलन मेलिनोवस्की के गोल की मदद से 1-0 की बढ़त बना ली। टीम ने इस बढ़त को दूसरे हाफ में 75वें मिनट में ब्रियान क्रिस्टांटे के गोल की मदद से स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इस मैच में दोनों टीम के एक-एक खिलाड़ी को रेड कार्ड दिखाया गया। 69वें मिनट में एटलांटा के रोबिन गोसेंस को जबकि इंजुरी टाइम में

इबानेज को रेड कार्ड का सामना करना पड़ा। इस ड्रॉ के बाद एटलांटा 65 अंकों के चौथे नंबर पर खिसक गई है, जबकि रोमा 55 अंकों के साथ सातवें नंबर पर है।

दास, दीपिका ने तीरंदाजी विश्व कप फाइनल में प्रवेश किया

ग्वाटेमाला सिटी। ओलंपियन अतनु दास और उनकी तीरंदाज पत्नी दीपिका कुमारी यहां जारी तीरंदाजी विश्व कप चरण 1 में रविवार को व्यक्तिगत पुरुष और महिला रिकर्व फाइनल में भाग लेंगे। मिश्रित टीम कांस्य पदक मैच में भारत का सामना अमेरिका से होगा। स्वर्ण पदक के लिए मैक्सिको का सामना जर्मनी से होगा। दास ने क्वालीफिकेशन राउंड में अच्छा फॉर्म दिखाया था और अगर वह रविवार को भी अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो इससे उन्हें व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने का मौका मिलेगा। दूसरे रैंकिंग के खिलाड़ी दास, मैक्सिको के एंजेल अल्वाराडो से भिड़ेंगे जो पहले सेमीफाइनल में 11वीं रैंकिंग पर हैं। महिलाओं की रिकर्व सेमीफाइनल में तीसरी रैंक्ड दीपिका मैक्सिको की अलेजांद्रा वालेंसिया से भिड़ेंगी।

यूथ वर्ल्ड बॉक्सिंग चैम्पियनशिप — **11 मेडल के साथ पॉइंट टेबल में टॉप पर**

पहली बार भारतीय बॉक्सरों ने 7 गोल्ड मेडल जीते

एजेंसी ■ पोलैंड

पोलैंड में संपन्न हुई यूथ वर्ल्ड बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में भारत के 7 बॉक्सरों ने गोल्ड मेडल जीता है। पहली बार भारत ने 7 गोल्ड मेडल जीते हैं। इससे पहले गुवाहाटी में 2017 में यूथ विश्व चैंपियनशिप में पांच गोल्ड मेडल जीते थे। वहीं भारतीय बॉक्सरों ने पहली बार 11 मेडल जीते हैं। जिनमें 7 गोल्ड के अलावा एक एक सिल्वर और तीन ब्रॉन्ज मेडल जीतने में भारतीय बॉक्सर सफल हुए हैं। इससे पहले 2018 में भारत ने हंगरी में हुई वर्ल्ड चैम्पियनशिप में 10 मेडल जीते थे। केंद्रीय खेल मंत्री किरण रिजिजू ने भारतीय बॉक्सरों की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी है।

सातों गोल्ड मेडल महिला बॉक्सरों ने जीते: फाइनल में आठ बॉक्सर पहुंचे थे। जिनमें 7 महिलाएं और एक बॉक्सर बॉक्सर शामिल थे। सभी सातों महिला बॉक्सरों ने गोल्ड जीतने में कामयाब हुई हैं। इनमें 48 किलो वेट में गीतिका, 51 किलो वेट में बेबीरोजिसाना चानू, 60 किलो वेट में विंका, 69 किलो वेट में अरुंधति चौधरी, 57किलो वेट में पूनम, 75 किलो वेट सनमाचू चानू और 81 किलो से उपर वेट में अल्फिया पठान शामिल हैं। जबकि पुरुषों में 56 किलो वेट में फाइनल में पहुंचने वाले ने सिल्वर मेडल जीते।

अल्फिया पठान ने मोल्दोवा की डारिया कोजोरव को हराकर गोल्ड जीता

भारतीय महिला मुक्केबाज अल्फिया पठान (81 किग्रा) ने फाइनल में जीत दर्ज करके गुरुवार को गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया। उन्होंने फाइनल में मोल्दोवा की डारिया कोजोरव को एकतरफा अंदाज में 5-0 से शिकस्त दी। चानू ने फाइनल में रूस की वेलेरिया लिंकोवा को 5-0 से, जबकि गीतिका ने पोलैंड की नतालिया डोमिनिका को एकतरफा 5-0 से शिकस्त देकर गोल्ड जीता।

वहीं, पूनम ने फाइनल में स्टील्नी ग्रॉसी को 5-0 से करारी शिकस्त दी, जबकि झुलडीज श्याखेतोवा के खिलाफ पांच जजों ने सर्वसम्मति से विंका को विजेता घोषित किया। अरुंधति ने फाइनल में पोलैंड की बरबरा मासिंकोव्स्का को 5-0 से करारी मात दी। पुरुषों में विश्वामित्र चोंगथोम (49 किग्रा), अंकित नरवाल (64 किग्रा) और विशाल गुप्ता (91 किग्रा) ने ब्रॉन्ज मेडल जीते।

भारत के 20 बॉक्सरों ने लिया भाग लिया

इस टूनार्मेंट में 20 सदस्यीय भारतीय दल ने भाग लिया। 10 दिवसीय टूनार्मेंट में पुरुष और महिला मुक्केबाज एक साथ भाग लिया। इससे पहले, हंगरी में 2018 में पहली बार पुरुषों और महिलाओं की चैंपियनशिप एक साथ हुई थी। टूनार्मेंट में 52 देशों के 414 मुक्केबाजों ने भाग लिया।

हैप्पी बर्थडे मनोज बाजपेयी: दमदार अभिनय के दम पर बने दुनिया के 'सरदार खान'

आसान नहीं था मनोज का फिल्मी सफर, पहले शॉट के बाद डायरेक्टर ने कह दिया था गेट आउट

बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी 51 साल के हो गए हैं। उनका जन्म नेपाल सीमा के पास, बिहार के बेलवा गांव में 23 अप्रैल 1969 को हुआ था। हाल ही में मनोज की वेब सीरीज 'साइलेंस: कैन यू हियर इट' रिलीज हुई है जिसे काफी सराहा जा रहा है। मनोज अब बॉलीवुड में जाना-माना नाम बन चुके हैं लेकिन एक दौर ऐसा था जब स्ट्रगल से परेशान होकर उनके मन में सुसाइड के ख्याल आने लगे थे। मनोज बाजपेयी ने अपने स्ट्रगल के दौर को याद करते हुए इस बात का खुलासा करते हुए कहा था, मैं किसान का बेटा हूं, बिहार के गांव में अपने पांच भाई-बहनों के साथ पला-बढ़ा। हम साधारण जिंदगी जीते थे लेकिन जब भी शहर जाते तो थिएटर जरूर जाते थे। मैं अमिताभ बच्चन का फैन था और उनकी तरह बनना चाहता था। 9 साल की उम्र में ही मैं जानता था कि मुझे एक्टिंग करनी है। 17 साल का हुआ तो दिल्ली यूनिवर्सिटी में दाखिला लिया। मैंने थिएटर करना शुरू किया लेकिन परिवार को इसके बारे में कोई आइडिया नहीं था। मैंने पिता जी को एक लैटर लिखा। वो गुस्सा नहीं हुए और मुझे 200 रु. भेजे। मनोज ने आगे बताया, शुरूआत में सब बहुत कठिन था। पांच दोस्तों के साथ हमने चॉल किराए पर ली और काम ढूंढने लगे लेकिन कोई रोल नहीं मिला। एक बार एक असिस्टेंट डायरेक्टर ने मेरी फोटो फाड़ दी और एक ही दिन में 3 प्रोजेक्ट मेरे हाथ से निकल गए। यहां तक कि मुझे अपने पहले शॉट के बाद गेट आउट तक कहा गया। मेरे पास किराए के पैसे नहीं हुआ करते थे और खाने के लिए वड़ा-पाव भी महंगा लगता था। मनोज आगे बोले, मेरा चेहरा हीरो के लिए फिट नहीं होता था तो लोगों को लगता था कि मैं कभी बड़े परदे पर जगह नहीं बना पाऊंगा। चार साल स्ट्रगल करने के बाद मुझे महेश भट्ट की टीवी सीरीज में रोल मिला। एक एपिसोड के लिए मुझे 1500 रु. मिलते थे। इसके बाद मेरा काम नोटिस किया गया और मुझे अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म मिली और इसके बाद 'सत्या' से मुझे बड़ा ब्रेक मिला। फिर अवॉर्ड मिले। मैंने अपना पहला घर खरीदा और जानता था कि मैं यहां जम जाऊंगा। 67 फिल्मों के बाद मैं आज यहां हूं।

बड़े पर्दे पर पहली बार लीड रोल में दिखेंगी अंकिता लोखंडे

अंकिता लोखंडे टीवी जगत से लेकर बॉलीवुड तक अपनी पहचान बना चुकी हैं। उन्हें छोटे पर्दे पर कई सीरियल्स में देखा गया है। अंकिता ने कई फिल्मों में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करायी है। अब जानकारी सामने आ रही है कि अंकिता अभिनेता विवेक ओबेरॉय की फिल्म 'इति' में लीड रोल में नजर आ सकती हैं। खबरों की मानें तो अंकिता ने विवेक की इस फिल्म को साइन कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अंकिता ने एक बड़ी फिल्म को साइन कर लिया है। वह विवेक की फिल्म 'इति' में मुख्य भूमिका में नजर आ सकती हैं। सूत्र ने कहा, अंकिता फिल्म 'इति' में लीड रोल में दिखेंगी। यह एक मर्डर मिस्ट्री फिल्म होगी, जिसे प्रेरणा अरोड़ा ने पिछले साल घोषित किया था। फिल्म एक लड़की के इर्दगिर्द घूमती है, जो अपनी मर्डर की गुत्थी खुद सुलझाती है। सूत्र ने आगे बताया कि जब मेकर्स एक अच्छे परफॉर्मर की तलाश कर रहे थे, तब उन्होंने अंकिता से संपर्क किया था। इसके बाद अंकिता को यह भूमिका पंसद आई। बताया जा रहा है कि वह इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं। खबरों की मानें तो इस फिल्म की शूटिंग इसी महीने शिमला में शुरू होने वाली थी। कहा जा रहा है कि कोरोना वायरस से बिगड़े हालात के कारण इस प्रोजेक्ट में देरी हो रही है। फिल्म को प्रोड्यूस करने के साथ विवेक इसमें अभिनय करते नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन विशाल मिश्रा करने वाले हैं। विवेक ने फिल्म में अपनी भूमिका को लेकर अनुभव साझा किया था। उन्होंने पिछले साल एक इंटरव्यू में बताया था, फिल्म में रहस्यमयी किरदार निभाने के लिए उत्साहित हूं। मेरे कैरेक्टर का नाम प्रभु सिंह है, जो फिल्म में एक अहम किरदार है। यह एक ऐसा रोल है, जिसे मैंने कभी नहीं निभाया है। इस फिल्म से सुष्मिता सेन के भाई राजीव सेन बॉलीवुड में एंट्री करने वाले हैं। पिछले साल फिल्म से राजीव का फर्स्ट लुक सामने आया था। राजीव इस फिल्म में रोहित वर्धन के किरदार में नजर आएंगे।

अजय देवगन की फिल्म 'भुज' 15 अगस्त को ओटीटी पर मचाएगी धमाल

1971 में हुए भारत-पाकिस्तान युद्ध पर आधारित है फिल्म

अजय देवगन की फिल्म भुज द प्राइड ऑफ इंडिया का इंतजार काफी समय से फैंस कर रहे हैं। फिल्म को लेकर नया अपडेट सामने आया है. ऐसा कहा जा रहा है कि फिल्म इसी साल स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज होगी। हालांकि फैंस को ये फिल्म थिएटर नहीं बल्कि ओटीटी पर देखने को मिल सकती है। दरअसल, रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के प्रोड्यूसर्स और डिज्नी प्लस हॉटस्टार की टीम ने मिलकर फैसला लिया है कि भुज द प्राइड ऑफ इंडिया को स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज किया जाएगा। उनको ऐसा लगता है कि फिल्म को रिलीज करने का ये परफेक्ट समय है। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लोगों को भात के इतिहास के बारे में जानने का मौका मिलेगा। मेकर्स का ऐसा मानना है कि अजय की ये फिल्म ओटीटी पर नया रिकॉर्ड बना सकती है। इस साल स्वतंत्रता दिवस रविवार को है और कहा जा रहा है कि फिल्म 15 अगस्त को रिलीज की जा सकती है। हालांकि इस बारे में कोई कन्फर्मेशन नहीं है। मेकर्स और अजय की तरफ से इस बारे में कोई बयान नहीं आया है। फिल्म में अजय के अलावा, संजय दत्त, सोनाक्षी सिन्हा, नोरा फतेही, शरद केलकर और एमी विर्क लीड रोल में हैं। भुज: द प्राइड ऑफ इंडिया की कहानी 1971 में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध पर आधारित है। जिसमें आईएएफ स्काड्रन लीडर विजय कार्णिक जो उस समय भुज एयरपोर्ट के इनचार्ज थे। उन्होंने 300 लोकल महिलाओं के साथ मिलकर एयरबेस को दोबारा बनाया था। फिल्म में वायुसेना के पराक्रम और शौर्य को दशार्या जाएगा।

'अनुपमा' के सेट पर अपूर्व अग्निहोत्री की एंट्री

'वनराज' सुधांशु पांडेय संग दिखी जुगलबंदी

टीवी के जाने माने ऐक्टर अपूर्व अग्निहोत्री जल्द ही नंबर वन शो 'अनुपमा' में दिखाई देंगे। आपको बता दें कि ऐक्टर सुधांशु पांडेय, जो शो में वनराज की भूमिका निभाते हैं उन्होंने शो के सेट से अपने खास दोस्त अपूर्व के साथ एक प्यारी सी फोटो शेयर की है जिसमें दोनों सेल्फी लेते हुए दिख रहे हैं। दोनों ऐक्टर की यह फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है और फैन्स खूब रिएक्शन भी दे रहे हैं। जहां तक फोटो की बात करें इसमें सुधांशु पांडेय और अपूर्व अग्निहोत्री दोनों स्काई ब्लू कलर की टी- शर्ट में नजर आ रहे हैं। जहां सुधांशु स्काई ब्लू टी-शर्ट और डेनिम जींस में नजर आ रहे हैं वहीं अपूर्व अलग ही लुक में नजर आ रहे हैं। अपूर्व शोल्डर-लेंथ हेयर कट के साथ स्लीम पैंट, डेनिम जैकेट के साथ व्हाइट टी- शर्ट में नजर आ रहे हैं। सुधांशु ने फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'भगवान दयालु है कि आपको इस कठिन समय में काम दिला रहा है। ये स्थिति और बेहतर तब हो जाती है जब आप अपने करीबी दोस्त के साथ शूटिंग करते हैं। जो कि खुद एक बहुत की अच्छा इंसान और जेंटलमैन है।' ऐक्टर अपूर्व अग्निहोत्री को आखिरी बार टीवी शो बेपनाह और ओटीटी शो 'कहने को हमसफर हैं' में देखा गया था। आपको बता दें कि रूपाली गांगुली और सुधांशु पांडे का सुपरहिट सीरियल 'अनुपमा' में अपूर्व अग्निहोत्री का किरदार कई ट्विस्ट लेकर आने वाला है। वहीं अपूर्व अग्निहोत्री ने शो की शूटिंग शुरू कर दी है और सेट से उनकी कई फोटो सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रही है। वायरल हो रही फोटो में अपूर्व अग्निहोत्री काफी हैंडसम और कूल डूड दिख रहे हैं।

टीवी की 'नागिन' ने गुलाबी ड्रेस में पोस्ट की है सनसेट की तस्वीरें

लिखा- 'वैसे ही प्यार करो जैसे खुद से करते हो'

टीवी पर नागिन की भूमिका निभाकर पॉपुलर हुई अभिनेत्री मौनी रॉय हमेशा ही अपनी हॉट अदाओं और तस्वीरों की वजह से चर्चा में रहती हैं। आज सोशल मीडिया पर मौनी ने ये तस्वीरें पोस्ट की हैं। इसमें मौनी रॉय पिंक ड्रेस में नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में मौनी रॉय सनसेट को दिखा रही हैं। एक्ट्रेस ने इन तस्वीरों के जरिए अर्थडे को लेकर एक खास संदेश दिया है। मौनी ने लिखा है कि आप पृथ्वी को वैसे ही प्यार करो जैसे खुद से करते हो। काम की बात करें तो ये अभिनेत्री फिल्म ब्रहमास्त्र में नजर आने वाली हैं। इसमें उनके साथ आलिया भट्ट और रणबीर कपूर भी हैं। मौनी रॉय फिल्म गोल्ड, मेड इन चाइना सहित कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

दुल्हन बनीं रानी चटर्जी, एक्ट्रेस की मुस्कुराहट देख दिल हारे फैंस

साउथ एक्ट्रेस रानी चटर्जी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है। एक्ट्रेस फैंस के साथ तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जो खूब धमाल मचा रही हैं। तस्वीरों में एक्ट्रेस ब्राइडल लुक में नजर आ रही है। रानी ने व्हाइट गाउन पहना हुआ है। मिनिमल मेकअप और सिर पर दुपट्टे से एक्ट्रेस ने अपने लुक को कम्पलीट किया हुआ है। रानी ने हाथ में फूलों का गुलदस्ता पकड़ा हुआ है। एक्ट्रेस की मुस्कुराहट फैंस का दिल चुरा रही है। एक्ट्रेस इस लुक में बेहद खूबसूरत लग रही है। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को देख कर फैंस हार रहे हैं। फैंस इन तस्वीरों पर खूब प्यार बरसा रहे हैं। बता दें रानी साउथ की सबसे बोल्ड एक्ट्रेस है। रानी कई फिल्मों में काम कर चुकी है। रानी कई प्रोजेक्ट्स में काम कर रही है। जिनमें लेडी सिंघम, छोटकी ठकुराइन, बाबुल की गलियां, कसम दुग्गा की, तेरी मेहरबानिया और हेरा फेरी जैसी फिल्में शामिल हैं।

संक्षेप में...

पीठासीन व मतदान अधिकारी को दिया गया प्रशिक्षण

उरई। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में तीसरे चरण के चुनाव के मतदान के लिए जिला विकास अधिकारी ने गल्ला मंडी में पीठासीन व मतदान अधिकारी को प्रशिक्षण देते हियुए कई दिशा निर्देश दिए।शनिवार को जिला विकास अधिकारी सुभाष त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए प्रशिक्षक संजीव कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान पहले ही बहुत सारी बातें बताई जा चुकी हैं। मतदान शुरू होने के से लेकर आखिरी तक इनका ध्यान रखना है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश के अनुसार सभी कार्मिक पूरी सतकर्ता बरतें और किसी प्रकार की परेशानी होने पर उच्च अधिकारियों को इसकी सूचना दें। हर हाल में शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष रुप से निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि आठ बजे सभी लोग अपने अपने ब्लॉकों के पोलिंग पाटी रवानगी स्थल पहुंच जाएंगे और मतदेय स्थलों पर पहुंचने के बाद कोई किसी का आतिथ्य स्वीकार नहीं करेगा। ठीक सात बजे वोटिंग शुरू करा दी जाएगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से गोवंशीय पशु का पैर टूटा

जालौन। अज्ञात वाहन की टक्कर से गोवंशीय पशु के पैर में फ्रैक्चर हुआ। घायल पशु के रक्तस्राव होने से गोसेवकों ने पशु चिकित्सक को मौके पर बुलाया। पशु चिकित्सक ने दवा तो लगाई लेकिन स्टाक में पट्टी न होने से घाव को ढका नहीं जा सका। जिससे गोसेवकों में नाराजगी है। नगर में स्थित श्रीवर्धन गोशाला में एक माह से अधिक समय बीतने के बाद भी पशु चिकित्सक पशुओं को देखने के लिए नहीं पहुंचे। सूचना पर ईओ ने गोशाला का निरीक्षण कर आवश्यक कारर्वाई का आश्वासन दिया।शुक्रवार की देर शाम सब्जी मंडी के सामने एक गोवंशीय पशु को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। अज्ञात वाहन की टक्कर से गोवंशीय पशु के पैर में फ्रैक्चर हो गया और उसके घाव से खून निकलने लगा। जब इसकी सूचना गोसेवक अनिल शिवहरे, अशफाक राईन, राजा सिंह सेंगर और जावेद अख्तर को मिली तो वह मौके पर पहुंच गए। घायल अवस्था में पड़े गोवंशीय पशु के इलाज के लिए उन्होंने तत्काल पशु चिकित्सक को बुलाया। सूचना पर मौके पर पहुंचे पशु चिकित्सक ने घाव पर दवा तो डाल दी। लेकिन जब उनसे पट्टी बांधने के लिए कहा तो उन्होंने बताया कि स्टॉक में पट्टी है ही नहीं। जिस पर गोसेवकों ने रोष व्यक्त किया। इसके बाद अनिल शिवहरे ने नगर पालिका को सूचना दी तो नगर पालिका के कमर्चारियों ने घायल पशु को मुरली मनोहर तालाब स्थित श्रीर्वधन गोशाला में पहुंचा दिया। बता दें, श्रीवर्धन गोशाला में अधिकांश पशु घायल व बीमारी की अवस्था में ही लाए जाते हैं।

खरीद केन्द्रों पर उठान न होने से खुले में रखा गेहूं

जालौन। नवीन गल्ला मंडी स्थित गेंहू खरीद केंद्र पर अभी तक 4 हजार क्विंटल से अधिक गेंहू की खरीद हो चुकी है। वहीं, नियमित उठान न होने से गेंहू बाहर खुले में रखा है। केंद्र प्रभारियों ने गेंहू की नियमित उठान किए जाने की मांग की है।नवीन गल्ला मंडी में गेंहू खरीद के लिए 11 केंद्र बनाए गए हैं। इन 11 केंद्रों पर गेंहू की खरीद चल रही है। हालांकि पूर्व में सभी खरीद केंद्र चालू न होने से कम मात्रा में गेंहू की खरीद की जा सकी। लेकिन अब सभी 11 केंद्र चालू हो चुके हैं। केंद्र निरीक्षक आशीष कुमार ने बताया कि अभी तक सभी गेंहू खरीद केंद्रों पर 4 हजार 41 क्विंटल गेंहू की खरीद की जा चुकी है। क्रय केंद्रों पर टोकन के अनुसार गेंहू खरीदा जा रहा। निर्धारित दिन टोकन लेकर आने पर किसानों का गेंहू खरीद लिया जाता है। वहीं, केंद्र पर गेंहू बेचने आए सुनील कुमार ने बताया कि केंद्र प्रभारियों द्वारा वारदाना की कमी बताकर गेंहू खरीद को लेकर पहले तो टरकाया जाता है। किसान जिद करे तो गेंहू खरीद लिया जाता है। केंद्र प्रभारी नरेश तिवारी, अभिषेक सिंह, रमेश बाबू, बलराम आदि ने बताया कि वह केंद्र पर गेंहू की प्रतिदिन खरीद कर रहे हैं। लेकिन एफसीआई की ओर से नियमित गेंहू की उठान नहीं कराई जा रही है। यही कारण है कि नीलामी चबूतरे पर बने गेंहू क्रय केंद्र में टिन शैड के अंदर गेंहू की बोरियां रखने की जगह नहीं बची है।

श्मशान पर नहीं बुझ रही चिताओं की आग, एक दिन में 40 अंतिम संस्कार

आगरा में श्मशान घाटों पर तैनात किए नोडल अधिकारी

■ आगरा

आगरा के श्मशान घाटों पर शवों के पहुंचने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। हर रोज नई सुबह के साथ ही जलती लाशों का मंजर देखकर लोगों की रूह कांप जाती है। श्मशान में हर तरफ मातम, रुदन, सिसकियां और बस सिसकियां सुनाई देती हैं। गुरुवार को रात 12 बजे तक ताजगंज श्मशान घाट पर चिताएं जलती रहीं। सुबह से शवों का पहुंचना शुरू हो गया। दोपहर के बाद अचानक शवों की आने की संख्या बढ़ गई। इसलिए वेटिंग भी चार घंटे हो गई। रात में 12 बजे तक शवों का दाह संस्कार होता रहा। शहर के दूसरों श्मशान घाटों पर भी यही हाल रहा। ताजगंज श्मशान घाट विद्युत शवदाह गृह के प्रभारी संजीव कुमार गुप्ता ने बताया कि रात दस बजे तक 40 शव आए थे। दोपहर में अंतिम संस्कार के लिए चार घंटे तक का इंतजार करना पड़ा। इसके बाद वेटिंग देर रात होते-होते एक घंटे की रह गई। क्षेत्र बजाजा कमेटी के अध्यक्ष अशोक गोयल और महामंत्री राजीव अग्रवाल का कहना है कि सेवादारों की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। चार सेवादार बढ़ा दिए गए हैं।

ताजगंज श्मशान घाट पर चिताओं को स्थान नहीं मिलने से शहर के दूसरे बल्केश्वर श्मशान घाट पर शवों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। यहां पर जहां एक अप्रैल तक तीन से चार शव आ रहे थे, वहीं 13 अप्रैल के बाद हर रोज लगभग 25 शव पहुंच रहे हैं। इस समय श्मशान में चिता को सजाने वाले पांच स्थानों के बीच की खाली जगह पर भी शवों का अंतिम संस्कार करना पड़ रहा है।

नगर आयुक्त ने जायजा लिया

नगर आयुक्त निखिल टी फुंडे ने शुक्रवार को टीम के साथ बल्केश्वर और फाउंड्री नगर नरायच स्थित श्मशान घाटों पर कोविड-19 के तहत दाह संस्कार की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। नगर आयुक्त ने बताया कि दोनों ही जगहों पर पर्याप्त मात्रा में लकड़ी, मास्क, पीपीई किट उपलब्ध हैं। शाहगंज स्थित मलका चबूतरा श्मशान घाट को भी 24 अप्रैल तक संचालित कर दिया जाएगा। नगर निगम ने शहर के पांच श्मशान घाटों में नोडल अधिकारी तैनात किए हैं। ये प्रतिदिन शवों के दाह संस्कार पर नजर रखेंगे। शाम को अपनी रिपोर्ट अपर नगरायुक्त को भेजेंगे। नगरायुक्त ने ताजगंज स्थित दोनों श्मशान घाटों के लिए कर निर्धारण अधिकारी सीपी सिंह, मलका चबूतरा में अश्वनी सिंह, सहायक नगर आयुक्त, बल्केश्वर में आशीष शुक्ला, अधिशासी अभियंता, फाउंड्री नगर नरायच में अजीत कुमार को तैनात किया है।

बिहार में 24 घंटे में 11489 लोग कोरोना की चपेट में, 59 लोगों की गई जान

यूपी में खतरनाक तरीके से बढ़ रही है संक्रमण की दर

■ लखनऊ/पटना

उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण से हालात बेकाबू होते जा रहे हैं। रोजाना संक्रमण के नये मरीज सामने आ रहे हैं। वहीं गुरुवार को बीते 24 घंटे में प्रदेश में रिकॉर्ड तोड़ 34 हजार से ज्यादा मामले सामने आए। वहीं, बीते हफ्ते के शुक्रवार की बात करें तो 27,426 संक्रमण के नये मरीज सामने आए थे। तकरीबन इन सात दिनों में लगभग सात हजार पॉजिटिव नये केस सामने आए हैं। ये आकड़ा बताने के लिये काफी है कि, संक्रमण की रफ्तार किस तेजी से बढ़ रही है. इनके आधार पर ये कहा जा सकता है कि, औसतन एक हजार रोज नये मामले बढ़ गये।

इन आकड़ों के विश्लेषण करें तो 19 से 20 फीसदी के दर से कोरोना संक्रमण के मामले अब बढ़ने लगे हैं। इससे पहले ये 10 से 12 फीसदी तक होती थी। राज्य में पंचायत चुनाव के बाद संक्रमण तेजी से फैला है। 19 अप्रैल को राज्य में दूसरे चरण का मतदान हुआ था। इसके बाद मामले 28 से 30 हजार के पार निकल गये. जबकि, पंचायत चुनाव में अभी दो चरण होने बाकी हैं। इन दो चरणों के चुनाव के बाद हालात और भी गंभीर हो सकते हैं। यही नहीं, अभी 26 और 29 अप्रैल को बाकी बचे दो चरणों का चुनाव होना है। हालांकि, राज्य सरकार ने नाइट कर्फ्यू की अवधि को भी बढ़ाया है और सख्त पाबंदियां लागू की हैं। इस बीच औरैया जिले से भाजपा के सदर विधायक रमेश दिवाकर की गुरुवार रात मेरठ मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई। वे कोरोना संक्रमित थे। 15 अप्रैल को उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी।

बिहार में संक्रमण का बढ़ता जा रहा आंकड़ा

बिहार में कोरोना की जानलेवा रफ्तार जारी है। गुरुवार को 24 घंटे में 59 लोगों की जान चली गई और 11489 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। बिहार में 11489 मामले आए हैं। इसमें पटना में 2643, अररिया में 146, अरवल में 166, औरंगाबाद में 498, बांका में 498, बेगूसराय में 530, भागलपुर में 387, भोजपुर में 161, बक्सर में 128, दरभंगा में 112, पूर्वी चंपारण में 236, गया में 945, गोपालगंज में 187, मधुबनी में 179, मुंगेर में 239, मुजफ्फरपुर में 602, नालंदा में 309, नवादा में 173, पूर्णिया में 354, रोहतास में 155, वैशाली में 197 और पश्चिमी चंपारण में 348 नए मामले आए हैं। 24 घंटे में 43 ऐसे लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है, जो बिहार के विभिन्न जिलों में बाहर से आए थे।

यूपी में सोमवार सुबह सात बजे तक कर्फ्यू

कोरोना का दूसरी लहर की चेन तोड़ने के लिए योगी आदित्यनाथ सरकार ने शुक्रवार रात आठ बजे से 59 घंटे का वीकेंड लॉकडाउन लगाया है। आज रात से यह कोरोना कर्फ्यू सोमवार सुबह सात बजे तक प्रभावी रहेगा। इस दौरान सिर्फ अतिआवश्यक सेवा यानी मेडिकल, पुलिस और बंदिश के साथ सरकारी परिवहन सेवा को छोड़कर बाकी लोगों का घर से निकलना पूर्णतः वर्जित रहेगा। फिलहाल तो प्रदेश के 20 शहरों में कोरोना की चेन को तोड़ने के लिए रात आठ बजे से सुबह 7 बजे तक नाइट कर्फ्यू जारी है। इससे पहले 15 अप्रैल तक पूरे प्रदेश में सिर्फ रविवार को लॉकडाउन घोषित था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण के तेजी से बढ़ते मामलों को देखते हुए 15 मई तक हर शुक्रवार रात आठ बजे से सोमवार सुबह सात बजे तक कोरोना कर्फ्यू (वीकेंड लॉकडाउन) का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि राज्य में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में हमें वीकेंड कर्फ्यू की ओर रुख करना होगा। वीकेंड कर्फ्यू के दौरान लोगों का बिना काम के घर से निकलना वर्जित रहेगा। इसके साथ ही साथ सभी नियमों का पालन करना होगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वीकेंड कर्फ्यू की वजह से राज्य में कोरोना के मामलों में कमी देखने को मिल सकती है। राज्य में पूर्ण लॉकडाउन लगाने को लेकर उन्होंने कहा कि हम राज्य में पूर्ण लॉकडाउन नहीं लगाएंगे। इस समय जरूरी है कि अधिक सावधानी बरती जाए। कोरोना वायरस के प्रसार पर अंकुश लगाने के लिए उत्तर प्रदेश में वीकेंड लॉकडाउन जारी रहेगा।

प्रचार सामग्री से लोगों की पट गयी दीवारें, लोगों में बढ़ रही नाराजगी

कुरारा, हमीरपुरः- विकासखंड क्षेत्र सहित अन्य क्षेत्र के गांवो में प्रचार सामग्री से लोगो की दीवारें पट गयी है। वही रंगी पुती हुई दीवारों पर पोस्टर बैनर लगा देने से खराब हो रही है। इससे लोगो मे नाराजगी बढ़ रही है। बता दें कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में ग्राम प्रधान, जिला पंचायत सदस्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य के लिए गांवो में प्रचार प्रसार अंतिम चरण पर चल रहा है। तथा सभी अपनी पूरी ताकत लगाए हुए हैं। वही क्षेत्र के गांवो में लोगों के घर की रंगी पुती हुई दीवारो में पोस्टर बैनर लगाने की होड़ लगी हुई है। इससे लोग परेशान हैं। तथा लोग पोस्टर बैनर लगाने के लिए मना भी नहीं कर पा रहे हैं। लेकिन नाराजगी बढ़ रही है।

आधा दर्जन कोरोना पॉजिटिव मरीज मिलने से लोगों में भय, घर के बाहर लगाये बोर्ड

कुरारा, हमीरपुरः- कुरारा विकासखंड क्षेत्र के झलोखर गाँव में करीब आधा दर्जन कोरोना पॉजिटिव मरीज मिलने से लोगो ने चुनाव में प्रचार करने वाले लोगो से मिलने पर रोक लगा दिया है। तथा अपने घर के बाहर बोर्ड लगा दिया है। कि दूर से वोट मांगे घर के अंदर प्रवेश न करे।बता दें कि कुरारा क्षेत्र के झलोखर गाँव में कोरोना टेस्ट में आधा दर्जन लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इनको होम क्वारन्टीन किया गया है। इससे ग्रामीणों में भय का माहौल व्याप्त है। वही पंचायत चुनाव के चलते ग्रामप्रधान पद व जिला पंचायत सदस्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य पद के प्रत्याशी प्रचार प्रसार में जी जान से जुटे हैं। वही कोरोना से भयभीत लोगो ने इनसे मिलना बन्द कर दिया है। तथा गाँव निवासी अभिषेक त्रिपाठी ने अपने गेट पर बोर्ड टांग दिया है ।कि प्रचार वाले घर के अंदर प्रवेश करने पर रोक लगा दी है।तथा बाहर से ही वोट की अपील करने का बोर्ड लगा दिया है।

अस्पताल में बवालः आईजी ने आरोपी को किया सस्पेंड

इंस्पेक्टर की संक्रमित मां को कोविड वार्ड में शिफ्ट करने पर डॉक्टर से मारपीट

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में प्रयागराज शहर में स्थित स्वरूपरानी नेहरू मेडिकल कॉलेज के कोविड-19 लेवल-3 अस्पताल में शुक्रवार तड़के एक पुलिस इंस्पेक्टर की मां की मौत हो गई। मौत के बाद इंस्पेक्टर ने परिजनों के साथ हंगामा कर दिया। एक डॉक्टर की जमकर पिटाई की गई। जिससे वह अधमरा हो गया। इससे नाराज डॉक्टरों व कर्मचारियों ने इंस्पेक्टर समेत तीनों भाइयों को पीट दिया और इसके बाद हड़ताल कर दी। अस्पताल में इलाज बंद होने से हाहाकार

मच गया। इस घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक महकमे में खलबली मच गई। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने इंस्पेक्टर को तत्काल सस्पेंड कर उसके खिलाफ केस दर्ज कर विधिक कार्रवाई करने की बात कही, लेकिन जूनियर डॉक्टर मानने को तैयार नहीं हुए। काफी मनाने और आरोपियों पर सख्त कार्रवाई का आश्वासन देने पर डॉक्टर पर काम लौटे हैं। प्रतापगढ़ में तैनात इंस्पेक्टर जुल्फिकार अली की मां 18 अप्रैल से स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में भर्ती थी। गुरुवार देर रात उनकी हालत गंभीर हो गई। इस पर डॉक्टरों ने मरीज को कोविड-19 वार्ड में शिफ्ट कर दिया था। जबकि इंस्पेक्टर अपनी मां का इलाज अलग वार्ड में करवाना चाहता था।

ट्रैक्टर चालक के अचानक ब्रेक लगाने से हुआ हादसा

ट्रैक्टर से टकराया टैंकर, आग में जिंदा जला टैंकर चालक

चंदौली। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में शुक्रवार की दोपहर डीजल से भरा एक टैंकर आगे चल रहे ट्रैक्टर से टकरा गया। हादसे के बाद टैंकर में आग लग गई। जब तक लोग राहत-बचाव के लिए दौड़े, आग और भड़क चुकी थी। इस बीच टैंकर का ड्राइवर राजू पटेल केबिन में ही फंसा रह गया। उसे लोगों ने निकालने की कोशिश की, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। राजू

लोगों की आंखों के सामने जिंदा जल गया। हादसे में टैंकर क्लीनर सुरक्षित है।

यह हादसा सदर कोतवाली क्षेत्र में नेशनल हाइवे-2 पर चंदौली मझवार स्टेशन के सामने का है। पुलिस ने दोनों तरफ हाइवे वाहनों का आवागमन रोक दिया। जिससे लंबा जाम लग गया। दरअसल, अलीनगर के भारत पेट्रोलियम डिपो से डीजल लेकर एक टैंकर सैयदराजा के लिए निकला था। टैंकर सदर कोतवाली पहुंचा ही था कि आगे चल रहे ट्रैक्टर ने अचानक ब्रेक मार दिया। जिससे टैंकर, ट्रैक्टर से टकरा गया।

उमा देवी विकास के मुददे पर ग्रामीणों की बनी पहली पसंद

विकास पुरुस के रूप में है प्रत्याशी पति शिशुपाल की पहिचान

उरई। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में जिला पंचायत डकोर क्षेत्र से सपा समर्थित प्रत्याशी उमा देवी विकास के मुददे पर ग्रामीणों की पहली पसंद बनी हुयी है। वह पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शिशुपाल सिंह यादव की पत्नी है। जिन्होंने जिला पंचायत अध्यक्ष रहते हुए जनपद जालौन के हर क्षेत्र में विकास की गंगा बहाई है। और गाँव क्षेत्र की सड़को को सीसी कराकर पक्की सड़क कराने में अपना विशेष योगदान दिया। गौरतलब है कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में डकोर जिला पंचायत क्षेत्र से पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शिशुपाल सिंह यादव की पत्नी उमा देवी समाजवादी पाटी की समर्थित प्रत्याशी है। जिन्होंने शनिवार को अपने समथर्कों के साथ जिला पंचायत क्षेत्र के ग्राम डकोर, ऐंधा, सैदनगर, कुसमिलिया, मुहाना, बंधौली, गुढा, सिमरिया आदि ग्रामो में बड़े बजुर्गो एवं माताओ बहिनों से वोट मांगकर विजय श्री दिलाने की कमाना की। इस दौरान ग्रामीणों ने कहा कि सपा प्रत्याशी उमा देवी पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शिशुपाल सिंह यादव की पत्नी है। जिन्होंने अपने अध्यक्ष कायर्काल में डकोर क्षेत्र का काफी विकास कराया। इसलिए उनकी पहिचान ५´२ँ पुरुष के रूप में होती है। हमें भी येसे प्रत्याशी को जीत दिलाकर अपना नेता बनाना चाहिए जो अपने क्षेत्र का हो साथ ही क्षेत्र में विकास की गंगा बहा सके। सपा समर्थित प्रत्याशी उमा देवी हम सभी के लिए कोई नया चेहरा नही है। ये उस परिवार से ताल्लुक रखती है जो परिवार बुलंदियों में होने के बाद भी अपनी जन्मभूमि को नही भूला है। उमा देवी के पति शिशुपालसिंह यादव समाजवादी पाटी के दिग्गज नेताओं में जाने जाते है।

लापरवाही | पीड़त परिजनों को 4-4 लाख सरकार ने दे दिए, लेकिन पुल से कब टलेगा खतरा

हादसों के पीपा पुल का स्थायी समाधान कब...अब तो जागो सरकार?

■ पटना

दानापुर दियारा में 1992 में पीपा पुल बना तो लोगों में उम्मीद की किरण जगी, लेकिन पहुंच पथ की यह अस्थायी व्यवस्था समस्या का समाधान नहीं बन सकी। आए दिन होते हादसों के कारण पक्का पुल की मांग उठने लगी, लेकिन 29 साल से ग्रामीणों को आश्वासन ही मिला। शुक्रवार की सुबह इस पीपा पुल पर जीप पलटने से एक ही परिवार के 9 लोगों की मौत हो गई है, ऐसे में अगर पक्का पुल की मांग को गंभीरता से नहीं लिया गया तो मुमकिन है गंगा किनारे की आबादी को इससे भी बड़े हादसे के लिए तैयार रहना पड़े।

जर्जर पीपा पुल के दोनों साइड में है तेज ढलान

दानापुर के पीपा पुल की हालत काफी जर्जर है। यहां अक्सर हादसे होते रहते हैं। इसका बड़ा कारण यह है कि दानापुर पीपा पुल के साइड में काफी तेज ढलान होने के कारण यहां वाहनों के फिसलने का डर हमेशा बना रहता है। यह पुल स्टील प्लेट से बना है, जिसपर वाहनों के फिसलने की आशंका हमेशा बनी रहती है। शुक्रवार को हुए हादसे की कारण भी यही सामने आ रहा है। हद तो यह है कि अक्सर लाखों खर्च होने के बाद भी 29 साल में दानापुर की साइड में पुल का अप्रोच रोड भी सही तरीके से नहीं बन पाया है।

इससे पहले पानापुर घाट पीपा पुल पर लोहे की चादर से लदा ट्रैक्टर दंर्घटनाग्रस्त हो गया। चालक ने संतुलन खो दिया, जिस कारण पीपा पुल से ट्राली गंगा में जा गिरा, जबकि ट्रैक्टर पीपा पुल में फंस गया। इस हादसे में चालक बाल-बाल बच गया। दानापुर की साइड में पुल का अप्रोच रोड भी सही तरीके से नहीं बनाया गया है। दानापुर के साइड में काफी तेज ढलान होने के कारण यहां वाहनों के फिसलने का डर हमेशा बना रहता है। यह पुल स्टील प्लेट से बना है, जिसपर वाहनों के फिसलने की आशंका हमेशा रहती है। शुक्रवार को हुए हादसे की वजह भी यही बताई जा रही है।

5 महीने के लिए हर साल चालू होता है यह पुल

दानापुर के इस पीपा पुल पर सालभर में केवल 5 महीने ही आवागमन रहता है। इसके बाद बाकी के दिनों में गंगा पार जाने के लिए नाव का ही सहारा रहता है। दियारा वासियों को साल में सिर्फ 5 महीने तक ही पीपा पुल की सुविधा उपलब्ध होने से जो परेशानी होती है, उसका समाधान आश्वासनों तक ही सीमित है। पक्का पुल नहीं होने से दियारा स्थित 6 पंचायतों के लोग शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। हर साल नवंबर या दिसंबर माह में जुड़ने वाला दियारा का लाइफलाइन पीपा पुल जून के महीने में खोल दिया जाता है। पीपा पुल यानी अस्थायी पुल इतना भी अस्थायी नहीं होना चाहिए कि आंधी-पानी में ढह ही जाए। दानापुर का यह पीपा पुल आंधी-पानी में अक्सर ढह जाता है। 9 मई 2017 को भी आंधी में इस पुल के ढह जाने के कारण लोगों का दियारा से संपर्क टूट गया था। पीपा पुल को बरसात से पहले बनाया जाता है। बरसात में नदी में जब पानी बढ़ जाता है तो इसे खोल दिया जाता है।

इसी साल 12 मार्च को दानापुर में गंगा नदी में बने पीपा पुल पर ट्रैक्टर पलटने से ड्राइवर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। पीपा पुल पर आए दिन लोडेड ट्रक और ट्रैक्टर पार करने से यह क्षतिग्रस्त हो गया है। इसी तारीख को सुबह में एक ट्रैक्टर दियारा से ईंट उतार कर आ रहा था कि पुल की टूटी रेलिंग के पास अनियंत्रित होकर नदी में पलट गया। हादसे में ड्राइवर बुरी तरह जख्मी हो गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने लॉन्च की स्वामित्व योजना बोले- गांवों ने दिया 'दो गज दूरी' का मैसेज

पंचायत आगे बढ़ेगी तभी देश आगे बढ़ेगा

स्वामित्व योजना विकास को गति देने वाली है-पी एम

प्रधानमंती नरेंद्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देश की ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों दीया विकास का मंत्र

पंचायती राज दिवस पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लांच की स्वामित्व योजना

4 लाख 9 हजार लाभार्थियों को ऑनलाइन वितरित हुए संपत्ति कार्ड

■ झांसी।

कोरोना वायरस संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी ग्राम पंचायतों के प्रमुखों को संबोधित किया. पंचायती राज दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री ने नए ई-ग्राम स्वराज पोर्टल और ऐप की शुरुआत की. इस पोर्टल के जरिए ग्राम पंचायतों की समस्या, उनसे जुड़ी जानकारी एक जगह पर मौजूद रहेगी। यहां अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि कोरोना संकट से हमें सबक मिला है कि अब आत्मनिर्भर होना काफी जरूरी है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री बोले कि कोरोना संकट के बीच गांव वालों ने दुनिया को बड़ा संदेश दिया. गांव वालों ने सोशल डिस्टेंसिंग नहीं बल्कि 'दो गज दूरी' का संदेश दिया, जिसने कमाल कर दिया।

कोरोना संकट ने बदला काम का तरीका, दिया संदेश

इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कोरोना महामारी ने सभी के काम करने के तरीके को बदल दिया है, अब हम आमने-सामने होकर बातें नहीं कर पा रहे हैं. पंचायती राज दिवस गांव तक स्वराज पहुंचाने का अवसर होता है, कोरोना संकट के बीच इसकी जरूरत बढ़ गई है।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कोरोना संकट से कई तरह की मुसीबतें आईं, लेकिन इससे हमें संदेश भी मिला है. कोरोना संकट ने हमें सिखाया कि अब हमें आत्मनिर्भर बनना ही पड़ेगा, बिना आत्मनिर्भर बने ऐसे संकटों को झेल पाना मुश्किल है. आज बदली हुई परिस्थितियों ने हमें आत्मनिर्भर बनना याद दिलाया है, इनमें ग्राम पंचायतों का मजबूत रोल है. इससे लोकतंत्र भी मजबूत होगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि स्वामित्व योजना से फायदा मिलेगा, उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का कार्ड मिल जाने से गांव में झगड़े भी खत्म होंगे साथ ही कोर्ट में भी लोगों को अनावश्यक विवाद निस्तारण के लिए जाना नहीं पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि संपत्ति कार्ड से अब बैंकों से ऋण प्राप्त किया जा सकेगा, उन्होंने कहा की 5-6 साल पहले देश की सिर्फ 100 पंचायत ब्रॉडबैंड से जुड़ी थी, लेकिन आज सवा लाख पंचायतों तक ये सुविधा पहुंच गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन वेबसाइट को शुरू किया गया है, उसके जरिए गांव तक जानकारी और मदद पहुंचने में तेजी आएगी। ग्राम पंचायतों के प्रमुखों से पीएम ने कहा कि अब गांव की मैपिंग ड्रोन के जरिए की जाएगी, जबकि बैंक से ऑनलाइन लेने में भी मदद मिलेगी. अभी इसकी शुरुआत महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश समेत कुल 6 राज्यों में इसकी शुरुआत हो रही है, फिर हर गांव तक इसे ले जाया जाएगा।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस की पर कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है. हमारी सरकार इसी सोच के साथ आगे बढ़ रही है कि एक सशक्त ग्रामीण अर्थव्यवस्था देश के विकास की कुंजी है।

आन लाईन घरौनी वितरण कार्यक्रम में एनआईसी झांसी में जिलाधिकारी श्री आंद्रा वामसी ने बताया कि जनपद में 19561 घरौनी वितरित की जाएंगी। मा. प्रधानमंत्री जी के शुभारंभ करने के पश्चात वितरण प्रारंभ किया जाएगा, उन्होंने बताया कि कोविड-19 के प्रोटोकॉल के तहत उक्त वितरण कार्यक्रम सुनिश्चित किया जा रहा है, लाभार्थियों के घर घर जाकर राजस्व विभाग द्वारा स्वामित्व कार्ड वितरित किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि तहसील गरौठा कि 17 गांव में 3915 घरौनी, टहरौली में 10 गांव में 1341घरौनी, तहसील मऊरानीपुर के 49 गांव में 9273 घरौनी,तहसील मोंठ के 17 गांव में 2926 तथा झांसी तहसील के 15 गांव में 2106 लाभार्थियों को स्वामित्व कार्ड का वितरण किया जायेगा।

इस अवसर पर तहसील झांसी के ग्राम भोजला के श्री काशीराम पुत्र श्री छक्की लाल, श्री मंसाराम पुत्र श्री प्रताप सिंह, श्री अमर सिंह पुत्र श्री बृजलाल, श्री मुनेश पुत्र श्री राम स्वरूप एवं श्री कामता प्रसाद श्री रामसेवक पुत्र श्री मोहन सिंह को स्वामित्व कार्ड वितरित किए गए।

इस मौके पर एनआईसी झांसी में अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री बी. प्रसाद, जिला पंचायत राज अधिकारी श्री जेके गौतम, श्री घनेंद्र तिवारी सहित अन्य अधिकारी व लाभाथी उपस्थित रहे।

शक्ति के बाद भी लोग नहीं लगा रहे माक्स

■ झांसी।

कोविड 19 की दुसरी लहर बहुत ही भयानक रूप लेती जा रही है। बढ़ते संक्रमण के बाद ही लोग नहीं कर रहे सरकारी गाइडलाइंस का पालन। पाली पुलिस थाना अध्यक्ष कृष्ण वीर सिंह एवं पुलिस बल द्वारा हर रोज काटे जा रहे हैं बिना मास्क वालों के चालान।फिर भी लोग अनजान बन कर जान बूझकर घरों से बाहरघूम रहे। इसी समय शादी कि सारंग होने के कारण बाजार में लोगों की एवं वाहनों की भीड़ लगती है कि जैसे कोई कोविड 19 से अवगत ही न हो। बस, टैक्सी, बाईक आदि वाहनों में लोग बगैर मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं हो रहा।जबकि मार्क्स नहीं लगाने वाले लोगों के खिलाफ पाली उपजिलाधिकारी अविनाश त्रिपाठी ने शक्त से शक्त कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए। पाली पुलिस द्वारा कारर्वाई कर चालान

भी काटे जा रहे हैं। पाली में जो भी व्यक्ति कोविड 19 पोजिटिव निकल रहे हैं।

शासन प्रशासन द्वारा उनके ही घर को सैनेटाइज किया जा रहा है। अगल बगल के मकानों क्यों नहीं किया जा रहा है। न ही उनके परिवार वालों के प्रतिष्ठानों को बंद कराया जा रहा है न ही बैरीकेडिंग की जा रही है।

बुंदेलखंड विकास सेना के प्रमुख हरीश कपूर टीटू ने प्लाज्मा डोनेट किया

■ ललितपुर।

13 अप्रैल को बुढ़वार, ललितपुर के श्री कृष्ण मुरारी पाठक कोरोना पीड़ित होने के कारण तालबेहट में भती हुए जहां से उन्हें झांसी भेज दिया गया जहां पर उनको एक यूनिट प्लाज्मा लगा। तबीयत में आराम ना मिलने के कारण उन्हें ग्वालियर में भती कराया गया जहां पर उन्हें प्लाज्मा की आवश्यकता होने पर उनके परिजनों ने अन्नपूर्णा सेवा संघ में संपर्क स्थापित किया जिस पर 18 अप्रैल को कुमारी राशि जैन पुत्री विजय जैन उनको प्लाज्मा डोनेट करने गए लेकिन हिमोग्लोबिन कम होने के कारण वह डोनेट नहीं कर पाए आज 19 अप्रैल उनके लिए बुंदेलखंड विकास सेना के प्रमुख श्री हरीश कपूर टीटू ने अपनी एंटीबॉडीज चेक कराई। वह अगस्त माह में

कोरोना से पीड़ित रह चुके थे 8 माह बाद भी उनकी एंटीबॉडीज 138 वैल्यू की आई । जिस पर वह डोनेट करने के लिए ग्वालियर गए और उन्होंने श्री कृष्ण मुरारी पाठक जी को कोरोना से लड़ने के लिए अपना प्लाज्मा डोनेट किया अन्नपूर्णा सेवा संघ और भी सभी कोरोना वारियर्स से अनुरोध करती है कि वह भी टीटू कपूर की तरह आज के समय में कोरोना पीड़ित मरीजों की मदद करने को आगे आए और अपना प्लाज्मा डोनेट कर लोगो के इलाज में मदद करें।

नगर पालिका परिषद द्वारा एक बृहद सैनिटाइजेशन अभियान चलाया

ललितपुर। शासनादेश के अनुपालन में दो दिवसीय उड़ान के अंतर्गत नगर पालिका परिषद ललितपुर द्वारा एक बृहद सैनिटाइजेशन अभियान चलाते हुए जॉन प्रथम के समस्त वाणिज्य क्षेत्रों मुख्य मार्गो व सरकारी गैर सरकारी कार्यालयों को सैनिटाइज किया गया सेनीटाइज के कार्य में दो स्प्रे टैंकर चार पेट्रोल चलित मशीन का प्रयोग करते हुए ललितपुर स्टेशन से लेकर बढ़नी चैराहा तुवन चैराहा होते हुए घंटाघर तक तथा घंटाघर से धोरा बाजार होते हुए बड़ी नहर तक तथा सावरकर चैक से अटा मंदिर होते हुए करीम शाह मजार तक करीम शाह मजार से डैम रोड होते हुए गुरुद्वारा सूचना केंद्र वाली गली होते हुए देवगढ़ रोड नेहरू नगर आयुर्वेदिक अस्पताल होते हुए सिद्धन रोड तक सोडियम हाइपो क्लोराइड का छिड़काव कराया गया इसके अतिरिक्त जॉन प्रथम के समस्त कंटेनमेंट जोन में सैनिटाइजेशन कराते हुए आमजन को कोविड-19 की गाइडलाइन के प्रति जागरूक किया गया अभियान सफाई एवं खाद्य निरीक्षक संदीप कुमार के नेतृत्व में चलाया गया मौके पर स्वास्थ्य लिपिक अमित पाराशर शमीम खान जॉन पयर्वेक्षक अजय कुमार स्वास्थ्य नायक राहुल नवीन आदर्श करोसिया के साथ साथ सैनिटाइजेशन टीम उपस्थित रही।

ललितपुर में प्रस्तावित राजकीय मेडीकल कालेज को बिल्डिंग तैयार होने तक जिला संयुक्त चिकित्सालय में तत्काल प्रभाव से सुचारू किया जाये-बु.वि. सेना

ललितपुर। बुन्देलखण्ड विकास सेना के प्रमुख हरीश कपूर टीटू ने प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ से मांग की ललितपुर जिले में कोविड 19 के बढ़ते हुए प्रकोप के मद्देनजर स्वास्थ्य सेवाएं बिल्कुल चरमरा गई हैं। स्थानीय जिला संयुक्त चिकित्सालय में अभी कोई विशेष सुविधाएँ नहीं हैं। जिला चिकित्सालय ललितपुर केवल रिफर केन्द्र बनकर रह गया है। गम्भीर हालत में रिफर मरीज झांसी , भोपाल , सागर दिल्ली जाकर बेड के लिए विभिन्न अस्पतालों में मारा-मारा फिरता है और इलाज के अभाव में दम तोड़ देता है। ऐसे में अगर शासन अगर चाहे तो ललितपुर के लिए प्रस्तावित राजकीय मेडीकल कालेज का वैकल्पिक प्रबन्ध हो सकता है मुख्यमंत्री उ. प्र. की नीति के अनुसार यह प्रावधान किया गया है कि ललितपुर जिला मुख्यालय पर प्रस्तावित राजकीय मेडिकल कालेज के भवन निर्माण का इंतजार किए बगैर जिला संयुक्त चिकित्सालय में मेडिकल कालेज तत्काल प्रभाव से कोरोना प्रकोप को देखते हुए झांसी कमिश्नरी पर स्थित मेडिकल कालेज के प्राचार्य की देखरेख में खोला जाये। इस सम्बन्ध में केन्द्रीय शासन के दिशा निर्देशों का अनुपालन प्रदेश के कई जनपदों के प्रस्तावित मेडिकल कालेजों में किया जा रहा है। भवन निर्माण तो साल दो साल में हो ही जायेगा परन्तु जनपद में बढ़ते कोरोना रोगियों की समस्या के त्वरित समाधान में यह कदम अपरिहार्य सिद्ध होगा। आशा है सांसद अनुराग शर्मा पहल करके जनआकांक्षाओं को पूरा करायेगें।

प्लाजमा थैरेपी जागरूकता के लिए सक्षम ने शुरू किया अभियान

ललितपुर। समदृष्टि विकास अनुसंधान मण्डल सक्षम ललितपुर ने प्लाजमा थैरेपी के लिए जागरूकता अभियान शुरू कर जरूरत मंद तक पहुचाने के लिए मुहिम शुरू की है। इसके लिए नगर अध्यक्ष डा0 तेजस्व श्रीवास्तव के संयोजन में सम्पर्क अभियान शुरू किया है जो व्यक्ति करोना संक्रमण से ठीक हुए और अपना प्लाज्मा डोनेट करने के लिए जागरूक किया जाएगा और सूचीबद्ध किया जाएगा क्योकि करोना संक्रमण में प्लाज्मा थैरेपी करोना के इलाज में उम्मीद की नई किरण बन गई है। सक्षम के प्रत्येक कार्यकर्ता का प्रयास रहेगा कि इसके माध्यम से जरूरतमंद को जीवनदान मिल सके। जिलाध्यक्ष सक्षम अक्षय अलया ने बताया कि इस अभियान में सक्षम सहयोगी के रूप में नगर अध्यक्ष डा0 तेजस्व श्रीवास्तव के साथ वरिष्ठ चिकित्सक डा0 दीपक चैबे, श्याम जी सैंगर, अनुपमा पुरोहित, दीपक पस्तोर, परवेज पठान, इमरान मंसूरी रहेंगे।

जय ऑफसेट प्रेस

फ्लैक्स बैनर, कलर पोस्टर, स्टीकर, विजिटिंग कार्ड शादी कार्ड, कैलेन्डर, कलर ब्लैक एण्ड व्हाईट न्यूज पेपर मैग्जीन एवं चुनाव सामग्री इत्यादि की प्रिंटिंग हेतु सम्पर्क करें।

ठाकुर दास प्रजापति
संचालक
मो. 6393149766, 8005203626

पता - दीनदयाल मार्केट, सैंयर गेट रोड, मिनर्वा चौराहा, झाँसी

मुद्रक,प्रकाशक,संपादक ठाकुर दास प्रजापति द्वारा जयऑफसेट प्रेस दीनदयाल मार्केट मिनर्वा चौराहा झांसी से मुद्रित एवं 469 नई बस्ती झाँसी से प्रकाशित संपादक ठाकुरदास प्रजापति पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिम्मेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। रजिस्ट्रेशन नं. यूपी एचआईएन /2015/ 64 737 फोन न. 6393149766,8005203626